कोटद्वार, बुधवार
3 अप्रैल 2024
वर्ष: 45
अंक: 328 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

24 घंटे बिजली और बिल होगा जीरो, तीसरे टर्म के लिए पीएम मोदी का वादा

देहरादून : प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शंखनाद रैली के बाद रुद्रपुर में रोड शो निकाला। पीएम मोदी की एक झलक पाने के लिए लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। सड़क के दूसरी ओर, लंबी-लंबी लाइनों में लोग पीएम मोदी को देखने के लिए खड़े रहे।

पीएम मोदी ने रोड शो के दौरान किसी को भी नाराज नहीं किया। पीएम मोदी ने अपनी कार से बाहर खड़े होकर सभी लोगों का अभिनंदन स्वीकार किया। कई लंबी लाइनों में खड़े लोगों ने 'मोदी'-'मोदी' के नारे लगाए। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान लोगों में भारी जोश और उत्साह दिखाई दिया।

इससे पहले मोदी ग्राउंड में आयोजित पीएम मोदी की उत्तराखंड लोकसभा चुनाव 2024 में पहली चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह उनकी गारंटी है कि देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। उन्होंने कहा कि मोदी की जो गारंटी होती है वह जरूर पूरी होती है। पीएम नरेंद्र मोदी ने लोगों से चुनावी वादा करते हुए कहा कि उत्तराखंड में लोगों का आने वाले दिनों में बिजली बिल जीरो होगा।

यही नहीं, बिजली बिलों से लोगों की कमाई भी होगी। पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पीएम सूर्य घर योजना शुरू की है। इस योजना से लोगों को 300 यूनिट तक बिजली फ्री में मिलेगी और ज्यादा बिजली उत्पादन होने पर बिजली से कमाई भी होगी। उत्तराखंड लोकसभा चुनाव 2024 में पहली बार मंगलवार को रुद्रपुर में आयोजित विजय शंखनाद रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ है। वह मेहनत करने के लिए पैदा हुआ है। यही वजह है उत्तराखंड में पिछले 10 सालों इतना विकास हुआ है। लेकिन मोदी इसे केवल ट्रेलर मानता है। अभी बहुत आगे जाना है। पीएम मोदी ने कहा कि उत्तराखंड पहुंचकर वह धन्य हो जाते हैं। यही वजह है कि पिछले 10 सालों में उत्तराखंड में तेजी से विकास हुआ है। उत्तराखंड के बॉर्डर एरिया पर रेल और सड़क कनेक्टिविटी पहले से ज्यादा बेहतर हुई है।

कहना था कि उत्तराखंड में 85 हजार से ज्यादा पक्के मकान बनाए गए हैं, साढ़े पांच लाख शौचालयों का निर्माण हुआ है और पांच लाख से ज्यादा लोगों को उज्जवला योजना का लाभ मिला है।

पीएम मोदी की रैली के बाद रुद्रपुर में रोड शो, लोगों की उमड़ी भीड़

इमरजेंसी मानसिकता वालो को सजा मिलनी चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने अपने इरादे दिखा दिए हैं। कांग्रेस के शहजादे ने अपने इरादे दिखा दिए हैं। तीसरी बार भाजपा आई तो देश में आग लग जाएगी। दस साल सत्ता से बाहर क्या रहे ऐसी भाषा बोल रहे हैं। ऐसे लोगों को चुन-चुनकर बाहर करें। इमरजेंसी मानसिकता वालो को सजा मिलनी चाहिए।

तीसरे टर्म में भ्रष्टाचार पर तेजी से होगें प्रहार

पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कि तीसरे टर्म में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा, यह गारंटी देने आया हूं। भ्रष्टाचार हर गरीब और मध्यम वर्ग का हक छीनता है। ऐसा नहीं होने दूंगा। कहा कि आने वाले पांच साल बड़े फैसलों के होंगे। इसके लिए मोदी को और मजबूत करना होगा।

पीएम मोदी का 'उत्तराखंडियों' से आग्रह

पीएम मोदी ने संबोधन के आखिरी में लोगों से निवेदन भी किया है। कहा कि आप सभी लोगा अपने-अपने गांव जरूर जाएं। गांव जाकर अपने-अपने देवी-देवताओं के मंदिर में जाकर मोदी की तरह से मत्था टेकना है। मादी ने कहा कि आप सभी को गांव में जाकर सभी को कहना है कि मोदी ने प्रमाण भेजा है।

उत्तराखंड के सवालों पर मौन रहे प्रधानमंत्री : कांग्रेस

देहरादून : कांग्रेस प्रदेश सह प्रभारी दीपिका पांडेय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रुद्रपुर में आयोजित चुनावी रैली से उत्तराखंड को अहम सवालों के जवाब नहीं मिल पाए हैं। मंगलवार को कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में दीपिका पांडेय ने कहा कि उत्तराखंड राज्य हाल के वर्षों में बेरोजगारी, बढ़ते पलायन, ध्वस्त होते इंफ्रास्ट्रक्चर और कानून व्यवस्था की बिगड़ते हालात के कारण त्रस्त रहा है। जनता को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री अपने चुनावी भाषण में इन मुद्दों पर अपनी बात रखते, लेकिन उन्होंने इस पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में शामिल वीआईपी का नाम अब तक उजागर नहीं हो पाया है। इसी तरह केदारनाथ मंदिर से सोना गायब होने का भी पता चहीं चल पाया है। प्रदेश के युवा लगातार भर्ती परीक्षा लीक को लेकर आंदोलनरत रहे, जिन पर प्रदेश सरकार ने लाठीचार्ज तक किया। इसी तरह केंद्र सरकार की अग्निवीर जैसी योजना से प्रदेश के युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। दस साल शासन करने के बाद भाजपा सरकार अपने लिए और पांच साल और मांग रही है, वहीं अग्निवीर को चार साल में रिटायर्ड किया जा रहा है। दीपिका पांडेय ने कहा कि उत्तराखंड सरकार भू-कानून की मांग को अनसुना कर रही है, प्रदेश में शराब, खनन माफिया को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2014 में भ्रष्टाचार को लेकर एक छद्म माहौल खड़ा किया,

मोदी से राहुल का कोई मुकाबला नहीं : शाह

बेंगलुरु , एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए इंडिया समूह को वंशवादियों और भ्रष्टाचारियों का गठबंधन करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राहुल गांधी का कोई मुकाबला नहीं है। अमित शाह ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "आगामी आम चुनावों में एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और भाजपा है, वहीं दूसरी ओर 'परिवारवादियों' और 'भ्रष्टाचारियों' का यह द इंडिया समूह है।" उन्होंने दावा किया कि राजग राज्य की सभी 28 सीटें जीतेगी। उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।उन्होंने पीएम मोदी की ईमानदारी की प्रशंसा करते हुए दावा किया कि उनके (श्री मोदी) के नेतृत्व में भाजपा ने पारदर्शिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। गृह मंत्री ने कहा, "लोगों के पास स्पष्ट विकल्प है। एक ओर जहां श्री मोदी ने एक पैसे के भ्रष्टाचार के बिना 23 वर्षों तक शासन किया है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ रुपए का घोटाला किया है। ये लोग जहां कहीं भी सत्ता में आते हैं, भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। इनका दिमाग कभी भी लोगों की सेवा करने पर केंद्रित नहीं होता है।"

उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की भी निंदा की। उन्होंने इसकी तुलना श्री मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त शासन के रिकॉर्ड से की। उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर श्री मोदी के अपने कार्यकाल के दौरान कोई छुट्टी न लेने की उनकी कार्य नीति का उल्लेख करके उनके (श्री मोदी के) समर्पण का उल्लेख किया।

अमित शाह ने कहा, " प्रधानमंत्री हमेशा भारत के लिए काम करते हैं। वह एक दिन की भी छुट्टी नहीं लेते हैं, जबकि राहुल 'बाबा' गर्मियों की छुट्टियों में घूमने के लिए विदेश जाते हैं। प्रत्येक छह महीने में कांग्रेस कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें ढूंढने लगते हैं।

आशा कार्यकर्ता, पर्यवक्षकों को तीन माह से नहीं मिला मानदेय

विकासनगर। दुर्गम तहसील त्यूणी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीन कार्यरत आशा वर्करें और आशा पर्यवेक्षकों को तीन माह से मानदेय नहीं मिला है। इससे उनके सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि कुछ ही दिन बाद बिस्सू त्योहार आने वाला है। बिना मानदेय के त्योहार की तैयारी करना मुश्किल हो रहा है। आशा कार्यकर्ता संगठन की प्रदेश अध्यक्ष शालू ने बताया कि दिसंबर माह से अभी तक मानदेय नहीं मिला है। अल्प मानदेय पर काम करने वाली आशा कार्यकर्ताओं को दूर दराज के गांवों में गर्भवती महिलाओं तक पहुंचने के लिए खुद के संसाधनों का उपयोग करना पड़ता है। बिना मानदेय के गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना भी मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही इन दिनों पूरे क्षेत्र में बिस्सू पर्व की तैयारियां जोरों से की जा रही हैं। बिना मानदेय के उनके लिए त्योहार की तैयारियां करना भी मुश्किल हो गया है।

मुझे, सौरभ भारद्वाज, दुर्गेश और राघव को गिरफ्तार कर सकती है ईडी : आतिशी

नई दिल्ली ,(एजेंसी) । दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी का कहना है कि उन्हें भाजपा में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया है। आतिशी के मुताबिक, उनसे कहा गया है कि यदि वह भाजपा में शामिल नहीं होती हैं तो उन्हें आने वाले दिनों में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनके एक नजदीकी सहयोगी को इसके लिए अप्रोच किया गया था।

उन्होंने कहा कि इस पूरी कवायद का उद्देश्य लोकसभा चुनाव से पहले उनकी पार्टी की एकता और ताकत को बाधित करना है।

मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आतिशी ने घोषणा की कि आगामी दो महीनों में उन्हे, सौरभ भारद्वाज, दुर्गेश पाठक और राघव चड्ढा को गिरफ्तार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह कदम 'आप' के नेतृत्व को खत्म करने के लिए उठाया जाएगा।

आतिशी का कहना है कि भाजपा के प्रस्ताव का पालन करने से इनकार करने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा एक महीने के भीतर उनकी गिरफ्तारी हो सकती है।आम आदमी पार्टी नेता के मुताबिक विजय नायर की रिपोर्टिंग से संबंधित बयान पहले से ही ईडी और सीबीआई के पास हैं। यह बयान करीब बीते डेढ़ वर्ष से ईडी के पास है। उन्होंने कहा, इन पुराने बयानों

को पुनर्जीवित करने में भाजपा की अचानक दिलचस्पी बढ़ गई है। यह हरकत आम आदमी पार्टी को कमजोर करने की उनकी हताशा को रेखांकित करती है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसौदिया, संजय सिंह और सत्येन्द्र जैन जैसे प्रमुख नेताओं को जेल में इसीलिए डाला गया है ताकि आम आदमी पार्टी कमजोर हो सके, लेकिन दिल्ली सरकार अभी भी अच्छी तरह से अपना काम कर रही है।आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा की रणनीति आम आदमी पार्टी के नेतृत्व को व्यवस्थित रूप से कमजोर करना है जिससे आगामी चुनावी लड़ाई से पहले इसकी नींव और संभावनाएं कमजोर हो जाए, लेकिन ऐसा नहीं होगा।सोमवार को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री की न्यायिक हिरासत के लिए ईडी की अर्जी में कहा गया था कि अपने बयान में अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि एक आरोपी विजय नायर 'आप' नेता आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था, न कि उन्हें। 'आप' के पूर्व संचार प्रभारी विजय नायर को जांच एजेंसी ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में साउथ ग्रुप के सदस्य झ के. कविता, एस रेड्डी, राघव मगुंटा और 'आप' नेता मनीष सिसौदिया एवं संजय सिंह को भी गिरफ्तार किया गया।ईडी ने कहा था कि विजय नायर की बातचीत और रिपोर्टिंग के बारे में पूछे जाने पर, सीएम केजरीवाल ने कहा कि नायर उन्हें नहीं बल्कि मंत्रि आतिशी और भारद्वाज को रिपोर्ट करते थे और संचार प्रभारी के साथ उनकी बातचीत सीमित थी।

विजय नायर के बयानों से पता चलता है कि वह एक कैबिनेट मंत्री के बंगले में रहे और सीएम के कैंप कार्यालय से काम करता था।

एक नजर

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गुलदार की मौत

काशीपुर। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर 3 वर्ष के नर गुलदार की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लिया और उसका पोस्टमार्टम कराया। जिस वाहन से टकराकर गुलदार की मौत हुई है वन विभाग उसकी तलाश कर रहा है। मंगलवार की तड़के करीब 4 बजे गांव रतनपुरा कोसी कांटा के बीच किसी वाहन की चपेट में आकर सड़क पार कर रहा गुलदार गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके कुछ देर बाद गुलदार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सुबह इसकी जानकारी जब ग्रामीणों को लगी तो वहां भीड़ जमा हो गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और वन विभाग को दी। सूचना के बाद बन्नाखेड़ा वन रेंज के दरोगा कमल किशोर वर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा गुलदार के शव को कब्जे में लेकर उसको रेंज में ले गए। इसके बाद कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वन दरोगा कमल किशोर ने बताया कि सुबह जब विभाग को सूचना मिली तो उच्चाधिकारियों के निर्देश पर टीम मौके पर पहुंची थी। उन्होंने बताया कि मृत नर गुलदार की उम्र 3 वर्ष है तथा जिस वाहन से उसकी टक्कर हुई है उसकी तलाश की जा रही है।

बाजपुर में घरेलू गैस सिलेंडर में लगी आग, बड़ा हादसा टला

काशीपुर। मोहल्ला मझराप्रभु के बांकेनगर में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां खाना बनाते समय एक सिलेंडर ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वहां मौजूद लोगों ने बहादुरी का परिचय देते हुए धधक रहे सिलेंडर को घर से बाहर खुले में निकाला। गैस खत्म होने के बाद आग बुझ गई। मंगलवार की सुबह बांकेनगर निवासी दुर्गेश गंगवार अपने घर में खाना बना रहे थे कि अचानक से गैस सिलेंडर लीक होने लगा और उसमें अचानक से आग लग गई।

गुलाम नबी आजाद अनंतनाग–राजोरी सीट से लड़ेंगे चुनाव

जम्मू कश्मीर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों में से सबसे हॉट सीट माने जाने वाली अनंतनाग राजोरी सीट पर मुकाबला रोचक होने जा रहा है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद अनंतनाग–राजोरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। यह घोषणा डीपीएपी के कोषाध्यक्ष ताज मोहिउद्दीन ने मंगलवार को श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान की।

साल 2022 में कांग्रेस से अलग होकर गुलाम नबी आजाद ने जम्मू कश्मीर में खुद की पार्टी बनाई, जिसे नाम मिला डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी। गुलाम नबी ने उधमपूर–डोडा सीट से जीएम सरूरी को मैदान में उतारा है। ऐसे में उनकी पार्टी से अबतक दो प्रत्याशी जम्मू कश्मीर के लोकसभा चुनावी मैदान में सामने आ चुके हैं।सात मार्च, 1949 को जम्मू के डोडा में जन्मे गुलाम नबी आजाद काफी पढ़े–लिखे नेता हैं। साल 1973 में गुलाम नबी आजाद ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सचिव के रूप में अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। साल 1980 में ही गुलाम नबी आजाद महाराष्ट्र के वाशिम से लोकसभा का चुनाव जीतकर पहली बार सांसद बने। इसके बाद तो उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते रहे। साल 1982 में उन्हें केंद्रीय मंत्री का अहम पद दिया गया। वह सरकार में कई अहम पदों पर रह चुके

हैं।गुलाम नबी के अनंतनाग सीट से लड़ने की घोषणा नेशनल कॉन्फ्रेंस के इस सीट से उम्मीदवार के एलान के एक दिन की गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने इस सीट से मौजूदा सांसद हसनैन मसूदी का टिकट काट कर गुज्जर–पहाड़ी नेता मियां अल्ताफ को मैदान में उतारा है। 66 वर्षीय अल्ताफ पांच बार विधायक और फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला सरकार में पूर्व मंत्री रहे हैं।

अभी भाजपा ने इस सीट पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। कयास लगाएं जा रहे हैं कि भाजपा इस सीट से मुस्लिम अफसर को मैदान में उतार सकती है। लेकिन अभी इसकी घोषणा नहीं हुई है। वहीं, पीडीपी ने भी इस सीट पर अभी अपना रुख साफ नहीं किया है। पार्टी नेकां के साथ ही इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन, जम्मू कश्मीर में पीडीपी को अपनी साख बचाना भी चुनौती है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प रहेगा कि पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती क्या फैसला लेती हैं।

मालूम हो कि परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई अनंतनाग–राजोरी संसदीय सीट में परिसीमन के बाद राजोरी और पुंछ को शामिल किया गया। इस सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होना है। इसकी अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी होगी और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 19 अप्रैल होगी।

इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में नेकां ने कश्मीर घाटी में तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की पहले ही घोषणा कर रखी है। गठबंधन में इनके सहयोगी पीडीपी की भी कश्मीर की तीन लोकसभा सीटों में से दो पर अपने उम्मीदवार उतारने की संभावना है, लेकिन पार्टी ने अभी तक इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की है। भाजपा ने भी अभी तक यहां से उम्मीदवार नहीं उतारा है।

अनंतनाग सीट की बात करें तो यह हाई प्रोफाइल सीट रही है। यहां से महबूबा मुफ्ती 2014 में सांसद बनीं लेकिन 4 जुलाई 2016 को उनके इस्तीफे से यह सीट खाली हो गई।

लोकसभा चुनाव से पहले सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता: मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर– भारी मात्रा में हथियार बरामद

बालाघाट ,(एजेंसी) । मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए, जबकि सात घायल भी हुई है। उनके पास से हथियार भी मिले हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात मध्य प्रदेश–छत्तीसगढ़ की सीमा पर केराझरी के जंगल में पुलिस का सर्चिंग अभियान चल रहा था।

इसी दौरान पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए। उनके शव मंगलवार सुबह सर्चिंग के दौरान बरामद किए गए।

पुलिस ने नक्सलियों के शव के पास एक एके–47 सहित एक अन्य राइफल और दैनिक इस्तेमाल का सामान भी बरामद किया। मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने की संभावना भी जताई जा रही है।

खुद जेल में हैं भ्रष्टाचार मिटाने का दावा करने वाले

मुरादाबाद/अमरोहा, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि राजनीति को नई दिशा देने का दम भरने तथा भृष्टाचार मिटाने का दावा करने वाले खुद जेल में हैं। मुरादाबाद और अमरोहा में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अब तक के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री और कांग्रेस भ्रष्टाचार का साथ देने वाली पार्टी है। श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान से भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों को गुमराह करने के लिए आंदोलन शुरू किया था और अब रामलीला मैदान में हुई गठबंधन की रैली में उनके जेल वाला फोटो लगा था। केंद्रीय मंत्री ने ऐसे लोगों के प्रति आगाह करते हुए कहा कि जनता अब किसी के झांसे में आने वाली नहीं है।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार किसी के साथ भी

भेदभाव किए बगैर मुसलमानों को भी जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिया गया है। मुरादाबाद में भाजपा की सोशल मीडिया वालंटियर मीट में बोलते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि भाजपा के साइबर सैल से जुड़े कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी के सभी युवाओं को अब मोदी यानी "मास्टर आफ डिजिटल इन्फोर्मेशन" बनना होगा।

चुनाव आयोग ने विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किए, प्रशासन–सुरक्षा और खर्च की करेंगे निगरानी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को कई राज्यों में प्रशासनिक, सुरक्षा और व्यय निगरानी उद्देश्यों के लिए विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की। चुनाव पैनल ने कहा कि विशेष पर्यवेक्षकों – शानदार ट्रैक रिकॉर्ड वाले पूर्व सिविल सेवकों – को कड़ी निगरानी के साथ चुनावी प्रक्रिया की निगरानी करने का काम सौंपा गया है। पैनल ने कहा कि खासकर धन, बाहुबल और गलत सूचना के प्रभाव से उत्पन्न चुनौतियों की पृष्ठभूमि में जिम्मेदारी दी गई है।

चुनाव आयोग ने कहा कि विशेष पर्यवेक्षकों (सामान्य और पुलिस) को पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में तैनात किया गया है, जहां की

आबादी सात करोड़ से अधिक है। आयोग ने कहा कि आंध्र प्रदेश और ओडिशा में लोकसभा चुनावों के साथ विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इसमें कहा गया है कि आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में विशेष व्यय पर्यवेक्षक भी तैनात किए गए हैं। चुनाव पैनल ने कहा कि विशेष पर्यवेक्षक राज्य मुख्यालय में तैनात रहेंगे और यदि जरूरत पड़ी तो उन क्षेत्रों का दौरा करेंगे जहां संवेदनशीलता अधिक है और आवश्यक समन्वय की आवश्यकता है। पैनल ने कहा कि वे अपने काम में हस्तक्षेप किए बिना, जहां भी आवश्यक हो, संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों, विधानसभा सीटों या जिलों में तैनात पर्यवेक्षकों से समय–समय पर अपेक्षित इनपुट मांग सकते हैं।

चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें निगरानी गतिविधियों में शामिल विभिन्न एजेंसियों के क्षेत्रीय प्रमुखों और नोडल अधिकारियों के साथ इनपुट मांगने और समन्वय करने का भी आदेश दिया गया है।

द्रमुक ने ईवीएम को लेकर खटखटाया मद्रास हाईकोर्ट का दरवाजा, दाखिल की याचिका

चेन्नई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन के कई दल इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की जगह मतपत्रों से मतदान की मांग कर रहे हैं। इस बीच, तमिलनाडु में सत्ताधारी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) ने मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। द्रमुक ने ईवीएम को लेकर रिट याचिका दायर की है। वहीं, जिला निर्वाचन अधिकारी और ग्रेटर चेन्नई निगम आयुक्त जे. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में आज सभी सियासी दलों की मौजूदगी में ईवीएम की पूरक रेंडमाइजेशन की गई। राधाकृष्णन ने बताया कि ग्रेटर चेन्नई निगम क्षेत्र के तहत तीन संसदीय क्षेत्र आते हैं। इस बार उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है। बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवीपीएटी मशीन और बैटरियों की रेंडमाइजेशन राजनीतिक दलों के सामने उनके संबंधित स्ट्रांग रूप में भेजा गया।

पूर्व सीएम केसीआर के भतीजे कन्ना राव गिरफ्तार, जमीन हड़पने और हत्या के प्रयास मामले में कार्रवाई

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के पूर्व सीएम और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव के भतीजे कन्ना राव को एक निजी कंपनी की जमीन में कथित तौर पर अतिक्रमण करने और कुछ लोगों पर हमला करने के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को मामले की जानकारी दी है।गौरतलब है कि कंपनी के एक प्रतिनिधि की शिकायत के आधार पर 3 मार्च को आदिबतला पुलिस स्टेशन में चंद्रशेखर राव के भतीजे के कन्ना राव और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिन्होंने उन पर कंपनी की 10,890 वर्ग गज भूमि पर अतिक्रमण करने और देखभाल करने वालों पर हमला करने का आरोप लगाया था। कन्ना राव पर हत्या का प्रयास, दंगा,

आपराधिक अतिक्रमण से जुड़ी कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। तेलंगाना हाईकोर्ट ने हाल ही में कन्ना राव समेत कुछ आरोपियों की याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिसमें मामले में उनके खिलाफ कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कन्ना राव को मामले के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया है और न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

शिकायतकर्ता ने कहा कि उनकी कंपनी ने 2020 में जमीन खरीदी थी और बाद में इस जमीन का स्वामित्व 2023 में उनकी सहयोगी इकाई को हस्तांतरित कर दिया गया था।

एफआईआर के मुताबिक, 3 मार्च को आरोपी और उसके सहयोगियों ने जमीन पर आपराधिक रूप से अतिक्रमण किया, परिसर की दीवार को ध्वस्त कर दिया और वहां देखभाल करने वालों पर पत्थरों और छड़ों से हमला किया। बाद में उन्होंने एक झोपड़ी और कंटेनर में आग लगा दी, जहां देखभाल करने वाले रहते थे।

संपादकीय

क्षेत्रीय दल बेअसर

उत्तराखंड की राजनीति में एक वक्त ऐसा था जब उत्तराखंड क्रांति दल सत्ता की उठापटक और सत्ता के निर्माण में अपनी एक खास पहचान रखता था। वक्त के साथ परिस्थितियों बदलती गई और उत्तराखंड क्रांति दल से जुड़े नेताओं ने वक्त के साथ चलने के अलावा वह सब किया जो यहां की जनता को पसंद नहीं आया। सत्ता का सुख भोगते हुए इस दल के नेताओं ने न केवल जनता के साथ खिलवाड़ किया बल्कि एक उन्नत भविष्य वाले राजनीतिक दल का भी पतन कर दिया। आज देश में लोकसभा चुनाव हो रहे हैं, तमाम राज्यों में वहां के क्षेत्रीय दल अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं लेकिन उत्तराखंड का एक ऐसा दल जिसके ध्वज पर राज्य निर्माण की लड़ाई लड़ी गई आज मैदान से बाहर है। स्थिति यह है कि पार्टी के पास चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी तक नहीं है, जीत की कल्पना करना तो दूर की बात है। आने वाले वक्त में शायद उत्तराखंड क्रांति दल का अस्तित्व भी ना रहे। ऐसा नहीं है कि प्रदेश की जनता ने इस दल को सर आंखों पर नहीं बिठाया अपितु इस दल के नेताओं ने ही आम जनता की भावनाओं को तार–तार करते हुए सत्ता का सुख भोग धीरे–धीरे खुद ही अतीत बन गए। आज उत्तराखंड में सत्ता की लड़ाई महज दो राष्ट्रीय दलों के बीच सीमेंट कर रह गई है। कुछ क्षेत्रीय दल संघर्ष करने की कोशिश करते हैं लेकिन उनका वजूद ठीक वैसा ही है जैसा कि उत्तराखंड क्रांति दल का। देश के कुछ बड़े राज्य जैसे असम, गोवा, मणिपुर या फिर दक्षिण के राज्य जहां प्रादेशिक दल आज भी राष्ट्रीय दलों को संघर्ष करने पर विवश कर देते हैं, उत्तराखंड में क्षेत्रीय दलों का ना तो कोई अतीत है और ना ही कोई भविष्य रह गया है। उत्तराखंड क्रांति दल का पतन यूं ही नहीं हुआ, बल्कि इसके नेताओं ने अपनी प्रभुता के लिए दल को हाशिए पर डाल दिया। उत्तराखंड में आज सत्ता की लड़ाई सिर्फ और सिर्फ भाजपा व कांग्रेस के बीच सिमट कर रह गई है जहां क्षेत्रीय दलों की ना तो कोई भूमिका है और ना ही प्रदेश की जनता ही अब उन्हें गंभीरता से लेती है। स्थिति यह है कि प्रदेश के लोगों को शायद यूकेडी से जुड़े नेताओं के नाम तक नहीं याद होंगे। राष्ट्रीय दलों ने भी इस दल के उन पूर्व नेताओं को महत्व देना बंद कर दिया है जो कभी सरकार चलाने के लिए समर्थन दिया करते थे। राजनीति की चाल बड़ी ही अजीब है यहां जो जनता के साथ चलता है वह लंबी रेस में दौड़ता है जो सत्ता के लिए, जनता की भावनाओं को ताक पर रखता है उसका हश्र ठीक उत्तराखंड क्रांति दल जैसा ही होता है। वर्तमान चुनाव की तो बात छोड़िए भविष्य में भी उत्तराखंड क्रांति दल देवभूमि की राजनीति में कोई खास असर छोड़ पाएगा इसकी संभावनाएं अब दूर–दूर तक नजर नहीं आती है।

सरकार रूपी रोटी को उलटते–पलटते रहें

रघु ठाकुर

2024 के लोकसभा चुनाव देश के लिये विशेष महत्व और चिंता के चुनाव है। जहां एक तरफ देश का एक बौद्धिक हिस्सा चुनाव के बाद की संभावनाओं को लेकर आशंका व्यक्त कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर देश के ग्रामीण और आम आदमी प्रधानमंत्री के प्रति उत्साह से सराबोर है। विशेषतरू राम मंदिर के निर्माण, फिर प्राण प्रतिष्ठा, फिर अबूधावी में स्वामी नारायण मंदिर का शिलान्यास और अब बनारस की ज्ञानव्यापी और मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर को लेकर एक जुनूनी वातावरण जैसा है।

देश के बौद्धिक जगत के एक बड़े हिस्से में जो आशंकायें हैं वह हो सकता है कुछ कि राजनैतिक प्रतिद्वंदिता की वजह से भी हों या सत्ता हासिल करने के लिये पिछले कुछ समय से जिस प्रकार के आरोप–प्रत्यारोप चुनावी बहस का आधार बनाये जाते हैं उन्हें देखते हुए इन आशंकाओं के पूर्वाग्रह होने के आरोप को भी एकदम नकारा नहीं जा सकता। परंतु कुछ समय से और विशेषतरू मप्र, छग और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भाजपा की कार्य पद्धति में जो परिवर्तन दिख रहे हैं वे कुछ आशंकाओं को सिद्ध तो करते हैं। वैसे तो पिछले लगभग आजादी के बाद से ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों के चयन में देश के सत्ताधारी दल के केंद्रीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री का निर्णायक हस्तक्षेप रहा है। परंतु पिछले 55 वर्षों से यानि 1971 में श्रीमती इंदिरा गांधी के बहुमत से जीत जाने के बाद श्हाईकमान्य के नाम से मुख्यमंत्री नामजदगी की परंपरा शुरू हुई और यह बीमारी यहां तक पहुंची कि चुनाव के बाद पार्टियों के विधायक दल चाहे मुख्यमंत्री के पद का चुनाव हो या नेता प्रतिपक्ष का चयन हो, चयन करने के लिये स्वतंत्र नहीं होते तथा एक लाइन का प्रस्ताव पारित करते हैं कि हाईकमान को अधिकार दिया जाता है। यह एक प्रकार से दलों में लोकतांत्रिक प्रणाली का समापन और चरम व्यक्तिवाद और केंद्रीयकरण का उदभव था। यह चलन कांग्रेस के अलावा क्षेत्रीय पार्टियों में भी रहा क्योंकि क्षेत्रीय पार्टियों के राज्य प्रमुख जो होते हैं वे स्वयंभू सर्वेसर्वा होते हैं।

हालांकि भाजपा में यह चलन एकदम उस रूप में शुरू नहीं हुआ था जिस रूप में कांग्रेस में आया था। और वहाँ एक स्तर पर विधायकों की राय को भी जाना जाता था, जो संघ के लोग संगठन मंत्री होते थे वे भी अघोषित रायसुमारी विधायकों में करते थे और इन सब सूचनाओं के आधार पर केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री के पद का चयन करता था। परंतु इन तीन राज्यों के चुनाव में अप्रत्याशित और विशाल बहुमत की जीत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और विशेषतरू प्रधानमंत्री को एक छत्र शक्तिशाली बना दिया है। तथा केंद्रीयकरण का चरम रूप देखने को मिल रहा है। इन तीनों राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नामजदगियाँ बगैर किसी रायशुमारी के सीधे केंद्रीय नेतृत्व ने की है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दिखाने का प्रयास भी नहीं किया। विधायक दलों की बैठक में जो केंद्रीय पर्यवेक्षक भेजे गये उन्होंने विधायकों को एक पर्ची दिखाकर बता दिया कि यह केंद्र का निर्णय है और विधायकों ने बिना चू–चपड़ के पर्ची के आदेश को शिरोधार्य किया। पर्ची से मुख्यमंत्री के जन्म की यह नई परिपाटी जो भाजपा में शुरू हुई है यह लोकतांत्रिक तो नहीं ही है इसके साथ ही एक खतरनाक केंद्रीयकरण की भी शुरुआत है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संचालक और उनकी टीम की क्या भूमिका है मैं नहीं जानता, परंतु इसके पहले तक विधायक दलों के चुनाव में जो भूमिका संगठन मंत्रियों के माध्यम से संघ की सुनने या जानकारी में आती थी वह इस बार नहीं लग रही है। हालांकि संघ का शिक्षण व संस्कार भी एक अंधानुकरण का है, याने जिस प्रकार एक गड़रिया समूचे भेड़ों के समूह को हाँकता है और वे उसका आदेश मानकर चलती हैं वही अनुशासन की परिपाटी संघ की रही है। एक राजनैतिक दल के रूप में जनसंघ व भाजपा इस परिपाटी से अभी तक कम से कम दिखावे में मुक्त थी परंतु अब वह दिखावे का हिस्सा भी भाजपा ने छोड़ दिया। हालांकि इसका एक अच्छा भी परिणाम हुआ है कि लंबे समय तक मुख्यमंत्रियों के पदों पर बैठे रहे जो अपना गुट या समर्थकों अथवा कृपा वालों का गुट बनाकर स्थाई जैसे हो गये थे, उनके हाथ से सत्ता छिन गई। निरंतर और स्थाई सत्ता, जड़ता और तानाशाही पैदा करती है। इसलिये सत्ताधारी राजनैतिक दलों में भी परिवर्तन होना चाहिए। मेरी राय में तो हर 5 सालों में नेतृत्व में सत्ता के व संगठन के दोनों में परिवर्तन होना चाहिए। दलों के सत्ता और संगठन के नेतृत्व में परिवर्तन होते रहने से नया नेतृत्व उभरेगा तथा परिवारवाद भी कम होगा। यह लोकतंत्र के लिये भी शुभ है और नये नेतृत्व के लिये उभरने के लिए आवश्यक है। जिस प्रकार पुराना वृक्ष जिसकी जड़ें मजबूत हो जाती हैं, वह सारा रस खींच लेता है और अपने नीचे आस–पास किसी नये पौधे को नहीं पनपने देता वही स्थिति राजनीति की भी होती है।

> देश के बौद्धिक जगत के एक बड़े हिस्से में जो आशंकायें हैं वह हो सकता है कुछ कि राजनैतिक प्रतिद्वंदिता की वजह से भी हों या सत्ता हासिल करने के लिये पिछले कुछ समय से जिस प्रकार के आरोप–प्रत्यारोप चुनावी बहस का आधार बनाये जाते हैं उन्हें देखते हुए इन आशंकाओं के पूर्वाग्रह होने के आरोप को भी एकदम नकारा नहीं जा सकता। परंतु कुछ समय से और विशेषतरू मप्र, छग और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भाजपा की कार्य पद्धति में जो परिवर्तन दिख रहे हैं वे कुछ आशंकाओं को सिद्ध तो करते हैं। वैसे तो पिछले लगभग आजादी के बाद से ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों के चयन में देश के सत्ताधारी दल के केंद्रीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री का निर्णायक हस्तक्षेप रहा है।

एक जो दूसरा चिंताजनक पहलू है वह भी विचारणीय है। इन विधानसभा के चुनाव में और चुनाव के बाद पार्टी और सरकार के कार्यक्रम के नाम पर एक नया जुमला शुरू हुआ है, वह है मोदी गारंटी। विधानसभा चुनाव में स्वतरू प्रधानमंत्री ने मोदी गारंटी का सभाओं में उल्लेख किया। यह कहते हुये कि मोदी गारंटी मतलब उसका क्रियान्वयन होना निश्चित है। इस कथन का एक अर्थ यह हुआ कि जो वायदे सूबाई सरकार के मुखिया कर रहे थे उनके क्रियान्वयन की गारंटी नहीं थी बस केवल प्रधानमंत्री जी के वायदे के क्रियान्वयन की गारंटी है तथा विधानसभा चुनाव की जीत के बाद भी यही कहा गया कि जीत का कारण केवल मोदी गारंटी है। याने देश की जनता का विश्वास एक मात्र केवल मोदी जी पर ही है और अब भाजपा शासित सभी राज्यों पर हर विज्ञापन में सिर्फ दो ही चित्र दिखते हैं ऊपर प्रधानमंत्री का, नीचे मुख्यमंत्री का।

इतना ही नहीं राज्यों में हो रहे छोटे बड़े हर काम का लोकार्पण, विमोचन, शिलान्यास और शुरुआत प्रधानमंत्री जी या तो सशरीर उपस्थित होकर या फिर वर्चुअली याने वीडियो कांफ्रेंस से कर रहे हैं और उनके हर कार्यक्रम और भाषण को राज्यों में मंत्रियों, मुख्यमंत्री, सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों को सुनना और देखना अपरिहार्य है। प्रधानमंत्री का कार्यक्रम कहने को सरकारी होता है, खर्च और व्यवस्था पूर्णतरू सरकारी होती है परंतु वह पूर्णरूपेण दलीय कार्यक्रम होता है। प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के नाम पर इन आयोजनों में सभी बड़े–छोटे नौकरशाह और कर्मचारी भी शामिल होते हैं यह एक प्रकार से नौकरशाही का दलीयकरण है और दलों का नौकरशाहीकरण है।

भारतीय संविधान ने देश के प्रशासन तंत्र को याने नौकरशाही को दलीय राजनीति से मुक्त रखा है। हमारे देश में इन्डपेंडेंट ब्यूरोक्रेसी है। कमिटेड ब्यूरोक्रेसी नहीं है। दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां कमिटेड याने प्रतिबद्ध नौकरशाही है। जैसे अमेरिका में यह परंपरा है कि राष्ट्रपति के चुनाव के बाद पिछले राष्ट्रपति के विश्वसनीय उच्च नौकरशाह बदल जाते हैं और नव नियुक्त राष्ट्रपति अपने पक्ष के नौकरशाहों को लाता है। कम्युनिष्ट देशों में तो दलीय तंत्र ही सत्ता तंत्र होता है। वहां दल के संगठन का निर्वाचन होता है और वही जनमत का निर्णय मान लिया जाता है। यह साम्यवादी तानाशाही होती है परंतु भारत और यूरोप के लोकतांत्रिक देशों में अभी तक यह चलन नहीं था। भारत की ब्यूरोक्रेसी को शायद पहले चरण में कमिटेड ब्यूरोक्रेसी बनने के लिये मानसिक रूप से तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी संसद से लेकर सडक़ तक और अब उनकी पार्टी भी मोदी इस बार चार सौ पार का नारा लगा रही है। एक राजनैतिक दल के रूप में अपना लक्ष्य तय करने का अधिकार सभी दलों को होता है और उनको भी है परंतु लगातार चार सौ की सख्या के उल्लेख के पीछे कुछ अन्य मनोवैज्ञानिक संकेत भी हो सकते हैं जैसे भारतीय संविधान को बदलने के लिये और नया एक धर्म के देश का संविधान लाने के लिये, न्यायपालिका को सत्ता परक बनाने व उसकी स्वतंत्रता समाप्त करने के लिये संसद का तीन चैथाई सदस्य संख्या घोषित रूप से नहीं पर अघोषित रूप से जरूरी है और मौखिक प्रचार से गांव–गांव में यह कहा भी जा रहा है कि मोदीजी को हमें इसलिये 400 की संख्या में जिताना है कि वे संविधान को बदल सकें और हिंदू राष्ट्र बना सकें।

जिस प्रकार का मोदी गारंटी और मोदी का चित्र और नाम का प्रचार हो रहा है उससे एक ओर आशंका को बल मिलता है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा आगामी लोकसभा के चुनाव में 400 की संख्या लाने के बाद देश में संवैधानिक ढांचे को बदल दें और अभी देश ने जो संसदीयलोकतंत्र स्वीकार किया है उसे बदलकर राष्ट्रपति प्रणाली लाने का भीतर का लक्ष्य हो। तब यह प्रचार किया जायेगा कि संसदीय लोकतंत्र होने की वजह से सरकार काम नहीं कर पाती है याने लोकसभा और राज्यसभा में प्रतिपक्ष अडंगेबाजी करता है इसलिये अब देश में रष्ट्रपति प्रणाली होना आवश्यक है ताकि एक ही व्यक्ति सारे निर्णय कर सके। यह आशंका इसलिये भी तार्किक लगती है क्योंकि संघ के मूल विचारक स्वर्गीय गुरु गोलवलकर जी ने अपनी पुस्तक में एक व्यक्ति केन्द्रित राष्ट्र की कल्पना की है। वो संसदीय लोकतंत्र के पक्षधर नहीं थे बल्कि राष्ट्रपति प्रणाली के पक्षधर थे। वैसे भी कई हजार वर्ष से भारत राजतंत्रीय और रजवाड़ों का मुल्क रहा है जहां लोगों की मानसिकता कमोवेश अभी भी राजा को चुनने और देखने की है। और उसके इस मानस में नये राजतंत्र को स्वीकृत कराना आसान हो जायेगा। मुझे याद है कि जब श्री शिवराज सिंह चैहान पहली बार मुख्यमंत्री बने थे और उनके विधानसभा क्षेत्र दौरे के समय उनके जूते तत्कालीन कलेक्टर ने उन्हें उठाकर दिये थे जिसके समाचार और चित्र अखबारों में छपे थे। जब इसकी आलोचना हुई तो तत्कालीन भाजपा के संगठन मंत्री श्री कप्तान सिंह सोलंकी ने बयान दिया था कि इसमें कुछ गलत नहीं है।

मुख्यमंत्री राजा होता है। कांग्रेस पार्टी में तो पहले ही यह हो चुका है। 1976 में आपातकाल में स्व. संजय गांधी के जूते उठाते तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. नारायणदत्त तिवारी के चित्र सारे देश में देखे गये थे। उत्तरप्रदेश जैसे विशाल प्रदेश का मुख्यमंत्री उम्रदराज और वह भी जनमना जाति से ब्राह्मण अगर प्रधानमंत्री के बेटे के जूते उठा सकता है तो इस देश को कुछ भी स्वीकार्य हो सकता है। मैं व्यक्ति विरोधी नहीं हूं, न मोदी का भक्त हूं न अंध विरोधी हूं परंतु भारतीय लोकतंत्र को कायम रखने के लिये मैं चाहता हूं कि जनता हर पांच वर्ष में सरकारों को बदले ताकि सरकारें स्थिर होकर जड़ और तानाशाह न बन सकें। डॉ.लोहिया कहते थे कि जनता की सरकारों को रोटी के समान उलटते–पलटते रहना चाहिए तभी वे स्वादिष्ट रहती हैं, अन्यथा जलकर बेकार हो जाती हैं।

गलत सूचनाओं पर रोक

सवोच्च न्यायालय ने गुरुवार को उस अधिसूचना पर रोक लगा दी जिसके तहत पत्र सूचना ब्यूरो के अधीन एक फैक्ट चेकिंग यूनिट (तथ्यों की जांच करने वाली इकाई) की स्थापना की जानी थी। न्यायालय ने कहा कि इस पर तब तक रोक रहेगी जब तक बंबई उच्च न्यायालय सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में संशोधनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला नहीं सुना देता।

इस बीच गूगल और मेटा जैसी डिजिटल क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां चुनाव के दौरान गलत सूचनाओं के प्रसार का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही हैं। वे जांच के लिए नए टूल विकसित करने और तथ्यों की जांच करने वालों (फैक्ट चेकर) को प्रशिक्षण देने के अलावा दोनों अन्य संस्थानों द्वारा संचालित तथ्यों की जांच संबंधी पहलों में भी शामिल होंगी और भारत निर्वाचन आयोग के साथ तालमेल में काम करेंगी।

2019 में सभी बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने अपने–अपने स्तर पर गलत सूचनाओं को रोकने का प्रयास किया था और उसके मिलेजुले नतीजे सामने आए थे। 2024 में यह अभियान अधिक तालमेल के साथ चलाया जा रहा है। 40 से अधिक बड़े बहुराष्ट्रीय संस्थानों ने म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए और इस बात पर सहमति जताई कि वे 2024 में वैश्विक स्तर पर मिलकर चुनावों से संबंधित गलत जानकारियों का मुकाबला करेंगे।

जोखिम बहुत बढ़ गया है क्योंकि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस अब राजनेताओं से जुड़ी वास्तविक प्रतीत होने वाली दृश्य–श्रव्य सामग्री बना सकता है। इन डिजिटल दिग्गजों को विभिन्न समाचार माध्यमों के साथ तालमेल में काम करना होगा ताकि भ्रामक सूचनाओं को रोका जा सके, मतदाताओं से हस्तक्षेप सीमित हो सके और विभिन्न प्लेटफॉर्म पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकि मेटा के पास फेसबुक, व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम का मालिकाना है जबकि गूगल के पास यूट्यूब और अपना सर्च इंजन है। इससे जुड़ी रणनीतियों में स्वतंत्र फैक्ट चेकर और स्थानीय सामग्री रचनाकारों और प्रकाशकों के साथ जुड़ाव, तथ्यों की जांच, जांच के संसाधन और गलत सूचनाओं को लेकर चेतावनी जारी करने के लिए सहयोगी मंच प्रदान करना शामिल है। इरादा ऐसी सामग्री को वायरल होने से रोकना है। मेटा पहले ही गलत सूचनाओं को हटा देता है।

वैश्विक व्यापार और आशावाद

संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) की वैश्विक व्यापार रिपोर्ट का मार्च संस्करण पिछले सप्ताह जारी किया गया। उसमें अनुमान जताया गया कि वर्ष 2023 में जहां वैश्विक व्यापार में एक लाख करोड़ डॉलर की कमी आई , वहीं यह भी कहा गया कि 2024 में यह रुझान बदल जाएगा।

अंकटाड ने इस दावे का समर्थन करते हुए कहा कि चालू कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में वस्तु एवं सेवा व्यापार में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस वृद्धि के कारकों में वैश्विक मुद्रास्फीति में कमी और वैश्विक वृद्धि की मजबूती शामिल हैं।

भारत के लिए यह अच्छी खबर है। घरेलू वृद्धि में व्यापार की हिस्सेदारी बढ़ाने की आवश्यकता है। कई निर्यात आधारित क्षेत्र बाहरी वृद्धि के रुझानों को लेकर खासे संवेदनशील हैं और आने वाले दिनों में बेहतर ऑर्डर बुक देखने को मिल सकती हैं।

गोल्डमैन सैक्स के एक हालिया विश्लेषण में कहा गया कि भारत से संचालित सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवा कंपनियों के राजस्व में वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 9 से 10 फीसदी की वृद्धि देखने को मिल सकती है। ऐसा दबी हुई मांग और जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस जैसे तकनीकी नवाचारों की बदौलत हो सकता है।

सलमान खान ने किया करण जौहर की फिल्म द बुल से किनारा

बीते साल सलमान खान ने अपनी फिल्म टाइगर 3 के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था तो इसके बाद से ही उनकी आगामी फिल्मों को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई थी।इसी बीच सलमान और करण जौहर ने फिल्म द बुल के लिए 25 साल बाद हाथ मिला , जिससे प्रशंसक काफी उत्सुक हो गए।पहले जहां करण ने कुछ कारणों के चलते फिल्म को थोड़ा टाल दिया था तो अब सलमान ने ही इससे किनारा कर लिया है।

द बुल की शूटिंग पहले बीते साल नवंबर में शुरू होनी थी, लेकिन फिर इसे दिसंबर तक टाल दिया। इसके बाद जनवरी में शूटिंग की बात सामने आई तो मालदीव विवाद के चलते फिर से बात बिगड़ गई।फिर सलमान और करण के बीच पैसों को लेकर बात नहीं बनी तो निर्माता–निर्देशक ने अभिनेता से जुलाई तक का समय मांगा।अब खबरें हैं कि सलमान ने द बुल को छोड़ साजिद नाडियाडवाला की एक फिल्म करने का फैसला किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, नाडियाडवाला, एआर मुरुगादॉस के साथ फिल्म बना रहे हैं, जो मई में ही शुरू हो जाएगी। दूसरी ओर, करण का विचार नवंबर तक द बुल की शूटिंग शुरू करने का है।सूत्र का कहना है कि शूटिंग की तारीखों में हो रहे फेरबदल से सलमान को परेशानी हो रही थी। करण और निर्देशक विष्णुवर्धन भी अभी तक सही समय तय नहीं कर पाए हैं।लिहाजा सलमान ने इस फिल्म से पीछे हटने का फैसला किया है।सूत्र के मुताबिक, सलमान ने प्रोजेक्ट में लगातार हो रही देरी के लिए किस्मत को जिम्मेदार ठहराया है। अभिनेता ने यह कहते हुए इनकार किया कि नियती नहीं चाहती कि यह फिल्म बने तो चलिए आगे बढ़ते हैं।करण सलमान की बात को समझते हैं, क्योंकि 1 साल से ज्यादा समय से तारीखों पर चर्चा करके वे नतीजे पर नहीं पहुंचे।निर्माता फिल्म के लिए एक और कोशिश कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल सलमान ने इससे दूरी बना ली है।कहा जा रहा है कि अगर करण फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी, इसकी सही जानकारी कागज पर देंगे तो शायद सलमान वापस इसका हिस्सा बन सकते हैं। इसके अलावा करण, सलमान के साथ किसी नए प्रोजेक्ट को करने की तलाश में भी जुट गए हैं।मालूम हो कि द बुल की कहानी ऑपरेशन कैक्टस पर आधारित है, जिसमें 1988 में मालदीव तख्तापलट की कोशिश हुई थी। इसमें सलमान भारतीय सेना के ब्रिगेडियर फारुख बलसारा की भूमिका निभाने वाले थे।

वोज्नियाकी, अनिसिमोवा जीतीं ; वॉलिनेट्स ने 2024 का सबसे लंबा मैच जीता

चार्ल्सटन (अमेरिका), पूर्व विश्व नंबर 1 और 2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता कैरोलिन वोज्नियाकी ने चार्ल्सटन ओपन में विजयी वापसी करते हुए लकी लूजर अमेरिका की मेकार्टनी केसलर को केवल 61 मिनट में 6–0, 6–1 से हरा दिया। वोज्नियाकी की 2019 में चार्ल्सटन में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति के बाद से क्ले कोर्ट पर यह पहली जीत थी, जब वह अब तक अपने तीन फाइनल में से तीसरे में पहुंची थी। वोज्नियाकी, जो 2019 में लोकंट्री में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति में उपविजेता रही थीं, 2023 के मध्य में खेल में लौटने से पहले 2020 की शुरुआत में टेनिस से दूर हो गई थीं। दूसरे दौर में, वोज्नियाकी अब नंबर 15 वरीयता प्राप्त एन्हेलिना कलिनिना के खिलाफ खेलेंगी, जिसके खिलाफ वह मियामी के उसी चरण में मैच प्वाइंट से यूक्री को बाहर करने में विफल रही, कलिनिना टूर–स्तर पर चौथी सबसे लम्बी जीत 5–7, 7–5, 6–4 से हासिल करने में सफल रही। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा दूसरे दौर में वोज्नियाकी से जुड़ गईं। पूर्व चार्ल्सटन सेमीफाइनलिस्टों के बीच हुए मुकाबले में अनिसिमोवा ने सोमवार को फ्रांस की एलिजे कॉर्नेट को 1 घंटे 25 मिनट में 6–3, 6–0 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना हुई भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की हॉकी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम सोमवार रात को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे से रवाना हो गई है।

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 6 अप्रैल से शुरू होगी, जिसके बाद 7, 10, 12 और 13 अप्रैल को मैच होंगे, जिसमें प्रशंसकों को हॉकी प्रतिभा का रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया का दौरा भारतीय टीम के लिए अपनी तैयारियों का आकलन करने, अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने और पेरिस ओलंपिक से पहले सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए, टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और मैदान पर हर पल को यादगार बनाने के लिए तैयार है।एफआईएच प्रो लीग 2023–24 के भुवनेश्वर और राउरकेला चरण के दौरान आखिरी बार अपनी ताकत दिखाने के बाद, हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने असाधारण कौशल और शानदार प्रदर्शन किया। साथ ही भुवनेश्वर में चार में से तीन मैचों में जीत हासिल की और राउरकेला में अजेय क्रम बनाए रखा।इससे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उनकी ताकत का प्रदर्शन हुआ, जिससे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला में उनके प्रदर्शन से काफी उम्मीदें जगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने से पहले, कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, जैसा कि हम ऑस्ट्रेलिया के इस महत्वपूर्ण दौरे पर जा रहे हैं, हम दृढ़ संकल्प और उत्साह से भरे हुए हैं। यह श्रृंखला पेरिस ओलंपिक से पहले सुधार के लिए हमारी ताकत और क्षेत्रों का आकलन करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रस्तुत करती है। हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने और हर पल को महत्वपूर्ण बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

इस बीच, उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, यह दौरा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम ऑस्ट्रेलिया में मजबूत टीम का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम अपने कौशल और रणनीतियों को निखारने के लिए एक टीम के रूप में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, और हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। हमारा ध्यान मजबूत प्रदर्शन करने और अपने देश को गौरवान्वित करने पर है। भारत 6 अप्रैल को सीरीज के शुरुआती मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

एयरहोस्टेस बन करीना–कृति–तब्बू ने किया वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कब्जा, दो दिन में क्रू ने की धांसू कमाई

करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू स्टारर फिल्म क्रू दुनिया भर में ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है. फिल्म 29 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. क्रू ना सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बल्कि वर्ल्डवाइड भी धुआंधार कारोबार कर रही है. महज दो दिनों में फिल्म ने 40 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया है.

क्रू की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शेयर किया है. जिसके मुताबिक क्रू ने पहले दिन दुनिया भर में 20.07 करोड़ रुपए कमाए थे तो वहीं दूसरे दिन 21.06 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है. यानी वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के दो दिनों का कुल कलेक्शन 41.13 करोड़ रुपए हो गया है.

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी क्रू को ऑडियंस का भरपूर प्यार मिल रहा है. यही वजह है कि फिल्म ने दो दिनों में 18.85 करोड़ रुपए की कमाई की है. राजेश कृष्णन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को बालाजी टेलीफिल्म्स, एकेएफसी और कम्युनिकेशन नेटवर्क प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले अनिल कपूर, शोभा कपूर, एकता कपूर और रिया कपूर ने प्रोड्यूस किया है.

फिल्म में करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू लीड रोल में हैं तो वहीं कपिल शर्मा, दिलजीत दोसांझ और खेसारी लाल यादव का भी अहम किरदार है.

फिल्म अश्वत्थामा का हुआ ऐलान, शाहिद कपूर ने ली विक्की कौशल की जगह

शाहिद कपूर आखिरी बार फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आए थे। इस रोम–कॉम ड्रामा में शाहिद ने कृति सेनन के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस फरमाया था। इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया है। वहीं इस फिल्म के बाद अब एक्टर एक और बड़ी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसमें पहले विक्की कौशल दिखाई देने वाले थे। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं वो है अश्वत्थामा।

शाहिद कपूर आखिरी बार फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आए थे। इस रोम–कॉम ड्रामा में शाहिद ने कृति सेनन के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस फरमाया था। इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया है। वहीं इस फिल्म के बाद अब एक्टर एक और बड़ी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसमें पहले विक्की कौशल दिखाई देने वाले थे।

नंबर 4 पर चमके रियान ने कहा, घरेलू क्रिकेट में मेरा यही रोल है

मुंबई, राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग, जिन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 39 गेंदों में नाबाद 54 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई, ने कहा कि वह बस अपने घरेलू प्रदर्शन की नकल कर रहे हैं।

आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग शानदार फॉर्म में नजर आए हैं। पिछले दो मैचों में उन्होंने लगातार अर्धशतक जड़े, जिनमें 45 गेंद में 84 रन और 39 गेंदों पर नाबाद 54 रन शामिल हैं। इससे पहले रियान ने सीजन के पहले मैच में 29 गेंदों पर 43 रन बनाए थे।

सोमवार को मुंबई के खिलाफ रियान की जुझारू पारी के बदौलत राजस्थान ने 27 गेंद शेष रहते हुए मुंबई को 6 विकेट से हरा दिया।

युजवेंद्र चहल और ट्रेंट बोल्ट ने अपने चार ओवरों में क्रमशः 3/11 और 3/22 गेंद लेकर मुंबई इंडियंस को 125/9 के छोटे टोटल पर रोक दिया। जवाब में, आरआर ने यशस्वी जायसवाल का विकेट सस्ते में गंवा दिया। फिर संजू सैमसन और जोस बटलर भी सस्ते में पवेलियन लौट गए।

इसके बाद पराग ने नाबाद 54 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा किया। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए बैटिंग ऑलराउंडर रियान ने कहा, असल में मैंने बहुत सी चीजें करने की कोशिश करने के बजाय हर चीज को सरल बनाया है। पहले जब मैं रन नहीं बना रहा था, तो मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा सोचता था लेकिन अब मैं सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देता हूं, जिसका मुझे लाभ मिल रहा है।

कांग्रेस ने भुलाए आपसी मतभेद, प्रत्याशी की जीत को कसी कमर

पांच व छह अप्रैल को कांग्रेस प्रत्यशी गणेश गोदियाल पहुंचेंगे कोटद्वार ,कार्यकर्ता व पदाधिकारी जनसभा व रैली को सफल बनाने में जुटे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लोकसभा चुनाव से पूर्व आपसी मतभेद में फंसी कांग्रेस अब प्रत्याशी की जीत के लिए एकजुट हो गई है। कोटद्वार में होने वाले पांच व छह अप्रैल के कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कांग्रेसी घर-घर जाकर लोगों की भीड़ जुटाने की जद्दोजेहद में लग गए हैं। वर्ष-2019 के लोकसभा चुनाव को देखे तो कांग्रेस को कोटद्वार में कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। ऐसे में कांग्रेसी पूर्व में हुई भूल को किसी भी प्रकार से दोबारा नहीं दोहराना चाहते।

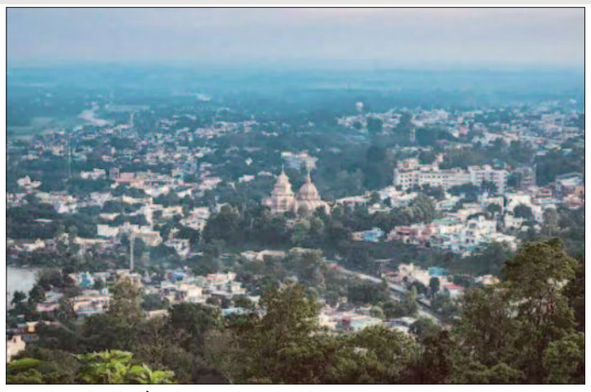

लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल पांच व छह अप्रैल को पहली बार कोटद्वार पहुंचेंगे। ऐसे में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने उनके जनसम्मेलन व रैली को सफल बनाने के लिए कमर कस ली है। इसके लिए कार्यकर्त्ता व पदाधिकारी गली-मोहल्लों में छोटी-छोटी जनसभाएं कर आमजन को एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। मालूम हो कि गढ़वाल क्षेत्र की बड़ी विधानसभाओं में से एक कोटद्वार विधानसभा लोकसभा चुनाव में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान में कोटद्वार में एक लाख 23 हजार 790 मतदाता हैं। जिसमें सबसे अधिक संख्या महिला व युवा मतदाताओं की है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का कोटद्वार में कुछ अच्छा प्रदर्शन नहीं था। लेकिन, इस बार कांग्रेसी अपनी इस भूल को सुधारने के लिए एकजुट हो गए हैं। अब तक आपसी गुटबाजी में फंसे कांग्रेसी एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतर गए हैं। जबकि, पूर्व में कई बार कांग्रेसियों में आपसी मतभेद देखा गया है। कई बार जनसभाओं व सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की आपसी नाराजगी देखी गई थी।

महिला व युवा मतदाताओं पर फोकस

कोटद्वार क्षेत्र में सबसे अधिक मतदाता महिला व युवा वर्ग है। ऐसे में कांग्रेस युवा व महिलाओं को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। कांग्रेसी जहां महिलाओं के अधिकारों की बात कर रहे हैं। वहीं, युवाओं को बेहतर रोजगार देने की भी बात कह रहे है। कांग्रेसी उन मोहल्लों व बूथों पर भी मेहनत कर रहे हैं जहां उन्हें पिछले लोकसभा चुनाव में सबसे कम मत मिले थे। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल काशीरामपुर, लालपानी, कुंभीचौड़, विकासनगर, ग्रास्टनगंज, बालासौड़, आमपड़ाव, गोविंदनगर सहित अन्य स्थानों पर जनसभा व रैली निकालेंगे।

नुक्कड़ नाटक से बताया मतदान का महत्व

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को मतदान का महत्व बताया। कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हमें अवश्य अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। इस दौरान जागरूकता रैली भी निकाली गई।महाविद्यालय की प्राचार्य जानकी पंवार ने हरी झंडी दिखाकर एनसीसी कैडेट्स को शहर के लिए रवाना किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने आमजन को मतदान के महत्व के बारे में बताया। जागरूकता रैली महाविद्यालय से होते हुए नजीबाबाद चौराहे पर पहुंची। यहां विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति देकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया।

इससे पूर्व प्राचार्य ने विद्यार्थियों को मतदान की शपथ दिलवाई। कहा कि हमें अपने आसपास रहने वाले अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए जागरूक करना चाहिए। इस मौके पर एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डा. देवेंद्र सिंह चौहान ने भी सभी छात्रों को मतदान के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रथम व द्वितीय वर्ष के कैडिट्स मनदीप, सुरजीत, स्नेहा, अंशिका, तानिया मौजूद रहे।

योगी आदित्यनाथ के पैतृक गांव पंचूर पहुंचे बलूनी, लिया आशीर्वाद

पंचूर गांव में योगी आदित्यनाथ की माता से मुलाकात करते अनिल बलूनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैतृक गांव पंचूर पहुंचे। जहां उन्होंने अपनी जीत के लिए योगी आदित्यनाथ की माता का आशीर्वाद लिया।

भाजपा प्रत्याशी बलूनी ने यमकेश्वर विधानसभा में ग्राम बल्ली से प्रचार अभियान की शुरूआत की। बल्ली, हनुमंती, मटियाली, कांडाखाल में जनसंपर्क करते हुए वह ग्राम सैंणा स्थित सीडीएस जनरल बिपिन रावत के आवास पर पहुंचे।

इसी दौरान भाजपा प्रत्याशी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैतृक गांव ग्राम पंचूर पहुंचे। पंचूर में उन्होंने योगी आदित्यनाथ की माता के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। प्रचार अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाओं में बलूनी ने कहा कि अगला एक दशक उत्तराखंड के लिए काफी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उत्तराखंड से विशेष लगाव है व उनका सपना उत्तराखंड का समग्र विकास है। केंद्र में उच्चस्थ पदों को उत्तराखंड के अधिकारी संभाल रहे।

अधर में पेजयल योजना, प्राकृतिक स्रोत भरोसे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भले ही घर-घर जल पहुंचाने के लाख दावे किए जा रहे हों। लेकिन, धरातल की स्थिति कुछ ओर ही बयां कर रही है। हालत यह है कि बीरोंखाल के ग्राम पंचायत कसाणी, भमराखोली व बडियार तोक के ग्रामीण पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों को पानी के लिए प्राकृतिक स्रोत के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। ग्राम सभाओं में करीब 80 परिवार रहते हैं। यह परिवार दो किमी. दूर प्राकृतिक स्रोत से सिर पर पानी ढोकर हलक तर कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जल निगम की ओर से गेहूंलाड गदेरे में जल जीवन मिशन के तहत बनाई जा रही पेयजल योजना का कार्य कछुआ गति से कराया जा रहा है। पिछले 25 दिनों से निर्माण कार्य ठप है। उन्होंने पेयजल लाइन को ठीक कराकर पेयजल की आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है। ग्राम पंचायत कसाणी के समाज सेवी मनवर सिंह ने बताया कि उनकी ग्राम पंचायत के कसाणी गांव में 58 परिवार, भमराखोली तोक में 12 परिवार व तोक गांव बडियार में 10 परिवार निवास करते हैं। कहा कि इन गांवों में पेयजल की समस्या को देखते हुए अविभाजित यूपी के जमाने में 40 साल पहले थापला रेले में पेयजल योजना बनाई गई। इसके तहत गांव तक करीब 10 किमी. लंबी पेयजल लाइन बिछाई गई। कहा कि पेयजल योजना बनने के बाद ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल की आपूर्ति हो रही थी। वर्तमान में मरम्मत और देखरेख के अभाव में पाइप लाइन जीर्ण-शीर्ण हो चुकी है। इससे ग्रामीणों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है और उन्हें पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि ग्रामीण दो किमी. दूर प्राकृतिक स्रोत से सिर पर पानी ढोने को मजबूर हैं। कहा कि गांव में पेयजल समस्या को देखते हुए जल निगम की ओर से गेहूंलाड गदेर से जल जीवन मिशन में पेयजल योजना का निर्माण भी कछुआ गति से चल रहा है। गत 25 दिनों से निर्माण कार्य ठप है। कहा कि गर्मी शुरू होने के साथ ही गांव में पेयजल की किल्लत शुरू हो गई है। उन्होंने जल निगम से पेयजल योजना का निर्माण जल्द पूरा करा पेयजल आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है।

6 नशा तस्करों पर गैंगस्टर की कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी पुलिस ने नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट लगाया है। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि जिले में सक्रिय 6 नशा तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई अमल में लाई गई है। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर पुलिस की कार्रवाई जारी है।

शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रिखणीखाल ब्लाक के अंतर्गत स्व. भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के निर्देशन पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. मनोज उप्रेती ने छात्रों से आगामी चुनाव में शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि मतदान हमारा संवैधानिक अधिकार है। मतदान से हम अपनी पसंदीदा सरकार चुन सकते हैं। वर्तमान में सरकार की ओर से मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसलिए हमें शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना होगा और अन्य लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करना होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मतदान केंद्रों पर जांची व्यवस्थाएं, दिए निर्देश

भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक पीयूष समारिया ने किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में बनाए गए मतदान केंद्रों में बेहतर व्यवस्थाओं के लिए चुनाव आयोग व प्रशासन ने कमर कस ली है। मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक पीयूष समारिया ने केंद्रों का निरीक्षण करते हुए बिजली-पानी की व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। कहा कि मतदान के दौरान मतदाताओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसका विशेष ध्यान दिया जाएं। मंगलवार को कोटद्वार पहुंचे पीयूष समारिया ने राजकीय कन्या इंटर कॉलेज सहित अन्य केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को प्रदेश में मतदान होना है। ऐसे में इससे पहले हमें केंद्रों पर सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना होगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों में बिजली-पानी की व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही विभिन्न दिशा-निर्देश भी दिए। कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का मुख्य लक्ष्य शत-प्रतिशत मतदान करवाना है। कहा कि निर्वाचन आयोग की तरफ से एक सी-वीगिल एप लांच किया गया है, जिसमें कोई भी मतदाता मतदान को लेकर अपनी शिकायत व सुझाव भी दे सकता है। साथ ही तत्काल निस्तारण करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने मतदान स्थल पर बुजुर्गों व दिव्यांगों के लिए भी समुचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि केंद्रों पर शौचालय व साफ-सफाई की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दें। इस मौके पर उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी, अपर पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, तहसीलदार साक्षी उपाध्याय, नायब तहसीलदार श्रीधर प्रसाद नौटियाल भी मौजूद रहे।

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार के केंद्र का निरीक्षण करते अधिकारी

कीर्ति का हुआ हिमज्योति स्कूल के लिए चयन

नई टिहरी : पीएम श्री स्कूल देवप्रयाग की छात्रा कीर्ति चौबे का चयन हिम ज्योति स्कूल, देहरादून के लिए हुआ है। कीर्ति चौबे हिम ज्योति के लिए इस स्कूल से चयनित होने वाली दूसरी छात्रा है। तहसील मुख्यालय देवप्रयाग के निकट स्थित पीएमश्री राप्रास्कूल की कक्षा पांच की छात्रा कीर्ति चौबे का चयन लिखित परीक्षा व इंटरव्यू के बाद हिम ज्योति स्कूल के लिए हुआ है। पूर्व राज्यपाल सुदर्शन अग्रवाल द्वारा हिम ज्योति स्कूल मेधावी बालिकाओं के लिए देहरादून में स्थापित किया गया है। नगर के मंदिर मोहल्ला निवासी विजय राम चौबे की पुत्री कीर्ति बचपन से ही मेधावी रही है। प्रधानाध्यापक विजयसिंह रावत के अनुसार पूर्व में हिम ज्योति के लिए चयनित तनूजा चौहान आज वहां दसवीं की छात्रा है। आर्थिक तौर पर अत्यन्त कमजोर परिवार की छात्रा कीर्ति की सफलता पर शिक्षिका सरिता जोशी, कमला पंत, पंकज नेगी, ममता, ईमला बिष्ट सहित नगर वासियों ने खुशी जताई है। (एजेंसी)

क्रिकेट एसोसिएशन ने किया अंडर-19 टीम के लिए ट्रायल

रुद्रप्रयाग : मंगलवार को रुद्रप्रयाग जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर 19 आयु वर्ग की टीम गठन के लिए ट्रायल कम लीग का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता भगवती शैव व विशिष्ट अतिथि नवदीप नेगी द्वारा किया गया। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के निर्देशों पर मध्यमहेश्वर क्रिकेट एकेडमी ऊखीमठ में आयोजित ट्रायल में 45 युवा खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। यहां से चयनित खिलाड़ियों की टीम बनाकर उनके बीच लीग मैच आयोजित किए जाएंगे। जिसके बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर जिला टीम का गठन किया जाएगा। मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता भगवती शैव ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं। खेलों से मानसिक और शारीरिक विकास होता है। उन्होंने जिला क्रिकेट एसोशिएशन का धन्यवाद करते हुए कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में इस प्रकार के आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को मौका मिलता है। एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश जमलोकी व सचिव अरुण तिवारी ने बताया कि लीग मैच इस बार देहरादून में कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर संरक्षक योगेंद्र वाजपेयी, नवीन बिष्ट, गणेश वर्मा, दीपक रावत, प्रशांत, मनवर सिंह आदि थे। (एजेंसी)

56 पव्वें शराब के साथ दो नेपाली महिलाएं गिरफ्तार

रुद्रप्रयाग : थाना गुप्तकाशी पुलिस ने चेकिंग के दौरान नेपाली मूल की दो महिलाओं को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाओं के खिलाफ आबकारी ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस जनपद में लगातार अवैध शराब तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चेकिंग अभियान चला रही है। थाना गुप्तकाशी पुलिस ने 2 अलग अलग मामलों में 2 नेपाली मूल की महिलाओं को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिसमें सपना निवासी ग्राम कार्की थाना कलिंगतुग नेपाल हाल पता गौरीकुण्ड से 56 पव्वे और बाठुली निवासी लूमा नेपाल, हाल निवासी गौरीकुण्ड को 14 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया।

पुण्यतिथि पर डा. नौटियाल को दी श्रद्धाजंलि

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ. शिवानंद नौटियाल की पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव कोठला सैंजी में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर याद किया गया। वहीं, गढ़वाल मंडल बहुउद्देशीय सहकारी समिति कार्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर समिति के सचिव रमेश उप्रेती ने बताया कि पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों को सस्ती यातायात सुविधा मिल सके, इसके लिए डॉ. शिवानंद ने इस समिति का गठन किया था।मंगलवार को स्व. डॉ. शिवानंद नौटियाल की पुण्यतिथि पर सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र प्रसाद नौटियाल ने कहा कि दिवंगत डॉ. नौटियाल ने अपने जीवनकाल में यूं तो कई कार्य किए, लेकिन उन्हें समाज आज भी शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद करता है। इसका लाभ युवा पीढ़ी को युगों-युगों तक मिलता रहेगा।

काश्तकारों के लिए मुसीबत बन रहे जंगली जानवर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग के दुगड्डा रेंज के अंतर्गत 14 गांवों के काश्तकारों के लिए जंगली जानवर मुसीबत बने हुए हैं। आए दिन जंगली जानवर काश्तकारों की फसल बर्बाद कर रहे हैं।

दुगड्डा रेंज के अंतर्गत उमरैला ग्रामसभा के राजस्व ग्राम उमरैला, महरगांव, ग्राम सभा सिमलचौड़ के राजस्व ग्राम अल्दावा, सिद्धपुर, कूरीखाल, गोदी छोटी, नाथूपुर, साझासैंण, गुनी बस्यूर, ग्रामसभा जमरगड्डी के वीणी जमरगड्डी, गोजेटा, आमसौड़ ग्रामसभा के आमसौड़, झिंडी डांडा गांव में ग्रामीणों की आजीविका का प्रमुख साधन खेती है। जंगली जानवर काश्तकारों की फसलों को लगातार नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं, जिससे काश्तकारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। ग्रामीण फसलों की सुरक्षा के लिए सोलर फेंसिंग तारबाड़ लगाने की मांग लगातार उठाते आ रहे हैं। पिछले साल सितंबर माह में वन विभाग की ओर से इन गांवों में सोलर फेंसिंग तारबाड़ लगाने के लिए प्रस्ताव मांगे गए थे। ग्रामसभा की ओर से प्रस्ताव मिलने के बाद लैंसडौन वन प्रभाग ने शासन से बजट की डिमांड की थी। लेकिन अभी तक शासन की ओर से सोलर फेंसिंग के लिए बजट उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिससे काश्तकार स्वयं को ठगा महसूस कर रहे हैं। काश्तकार मनोहर लाल, माधव नेगी, सुरेशानंद रावत, बलबीर सिंह और मनोज रावत का कहना है कि जंगली जानवर लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। शासन की ओर से उनकी फसलों की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं।

टंकी और फिल्टर में नहीं हो पानी की सप्लाई, यात्री परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : नगर पंचायत सतपुली में यात्रियों को सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्य चौराहे सहित कोटद्वार-पौड़ी राजमार्ग पर फिल्टर लगाए गए थे, लेकिन देखरेख के अभाव में मशीन और टंकी शो पीस बन कर रह गई है। ऐसे में यात्रियों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। यात्री दुकान से पानी की बोतल लेने के लिए मजबूर है। पास ही रहने वाले दुकानदार विनोद खंतवाल, डबल मियां, मकान सिंह का कहना है की दो सालों से फिल्टर व टंकी से पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। कई बार इसके बारे में जल संस्थान के अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यात्राकाल में यहां से गुजरने वाले यात्रियों को पेयजल के लिए भटकना पड़ता है। मशीन व टंकी बंद होने के चलते यात्रियों को फिल्टर पानी के लिए पानी की बोतल खरीदकर ही अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। इसके लिए यात्रियों को 20 रुपए प्रति बोतल चुकाने पड़ रहे हैं। ऐसे में यात्रियों पर अनावश्यक आर्थिक भार भी पड़ रहा है। इधर, जल संस्थान के जेई सुशील कुमार का कहना है कि यात्राकाल में फिल्टर मशीन की सर्विस करवाई गई थी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने की मतदान करने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लोकसभा चुनाव-2024 में अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए जनपद के समस्त विकासखंड़ों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही गांव से बाहर रह रहे मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें अपने ही गांव में मतदान करने की अपील भी की जा रही है।जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जनपद के समस्त मतदाताओं से 19 अप्रैल, 2024 को अपने-अपने मतदेय स्थलों में मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं को उनकी आवश्यकतानुसार उनकों मतदान केंद्र तक पहुंचाने व घर छोड़ने के लिए व्यवस्था भी की जायेगी। जागरूक कार्यक्रम के तहत पौड़ी बस अड्डे में मतदाताओं के मध्य हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। वहीं समस्त विकासखंड़ों में संबंधित अधिकारियों द्वारा पुरूष, महिला, बुजुर्ग व 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया।

शहर की समस्याओं को किया जा रहा अनदेखा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नागरिक मंच की मासिक बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के निराकरण न होने पर रोष व्यक्त किया गया। कहा कि नगर आयुक्त से वार्ता करने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है।

बैठक में मंच महासचिव अतुल भट्ट ने कहा कि मंच की ओर से क्षेत्र की समस्याओं को लगातार शासन प्रशासन के समक्ष उठाया जा रहा है, लेकिन समस्याओं का अभी तक निराकरण नहीं हो पाया है। कहा कि क्षेत्र में अभी तक मेडिकल कालेज का निर्माण नहीं हो पाया है, मालन पुल भी नहीं बन पाया है, जिस कारण भाबर वासियों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। केंद्रीय विद्यालय खोलने में भी देरी की जा रही है।

वहीं शहर की स्ट्रीट लाइटों के खराब होने, मालवीय उद्यान से कूड़ा वाहन हटाने, शहर को अतिक्रमणमुक्त करने आदि समस्याओं के निराकरण को लेकर मंच की ओर से नगर निगम कार्यालय में धरना भी दिया गया व नगर आयुक्त से वार्ता भी की गई। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। तय किया गया कि शहर की समस्याओं को लेकर मंच की ओर से लोकसभा प्रत्याशियों को ज्ञापन सौंपे जायेंगे।

कार्यकर्ता जन कल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : लोकसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने शक्ति केंद्रों पर बैठकों की शुरूआत कर दी है। पार्टी जिलाध्यक्ष सुषमा रावत ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी लगातार जनसंपर्क और रोड शो सहित क्षेत्रों में आयोजित होने वाली जनसभाओं के माध्यम से मतदाताओं से जुड़ रहे हैं। कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह केंद्र और प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाएं। मंगलवार को चौबट्टाखाल विधानसभा के पोखड़ा और गाड की बागड़ी में पार्टी जिलाध्यक्ष सुषमा रावत और विधानसभा प्रभारी कमल किशोर ने मतदान की अपील की। शक्ति केंद्रों पर आयोजित इन बैठकों में कार्यकर्ताओं सहित मंडल अध्यक्षों आदि पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर जिला मंत्री महिपाल सिंह, मंडल अध्यक्ष पोखड़ा प्रभु शरण, महामंत्री हरेंद्र नेगी, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्कर जोशी, जयपाल बिष्ट, अरविंद कुमार, प्रतिज्ञा, मेहरबान नेगी आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। घरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	307-DRM-MB-23-24 dt. 01.04.2024	319-DRM-MB-23-24 dt. 01.04.2024
Name of Work	Provision of 10 New Rooms in existing running room at Chandausi in the section of SSE/W/CH under ADEN/CH.	Raplacement of Old dilapidated 04 Nos Type-V Blocks (Vasundhara-II) for Divisional Officer's at Moradabad. Estimate no. 12/2024
Tender Closing Date / Time	26.04.2024	26.04.2024
Advertised Value (Rs.)	1,96,55,570.82	1,81,32,466.89
Earnest Money (Rs.)	2,48,300.00	2,40,700.00
Tender Cost (Rs.)	00.00	00.00
Bidding Start Date	12.04.2024	12.04.2024
Period of Completion	12 Months	12 Months

सं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 01.04.2024 963/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

टेन्डर संख्या Sr. DEN-IV/Publication/23-24 दिनांक 01.04.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा घरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	295-DRM-MB-23-24 20.02.2024	302-DRM-MB-23-24 05.03.2024	315-DRM-MB-23-24 26.03.2024	316-DRM-MB-23-24 26.03.2024	320-DRM-MB-23-24 28.03.2024
कार्य का नाम	Miscellaneous Civil Works in section of ADEN/NBD and providing desirable MEA to various stations under ADEN/NBD.	Cass repair work between AWP-NBD and NBD-KTW in the section of SSE/ W/NBD under the jurisdiction of ADEN/NBD.	Provision of see-through type PRC sleeper fencing to prevent CRO in MB-GZB section under Sr.DEN-IV/MB.	Provision of see-through type PRC sleeper fencing to prevent CRO in MB-NBD section under Sr. DEN-IV/MB.	Structural condition survey by underwater inspection and video graphy of Br. No. 27 (BLM-SPC), Br. No. 52 (MB-GZB) and Br. No. 101 (CH-ALJN) section by Remote Operated Robotic Vehicle (RORV) in the Moradabad Division
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	25.04.2024	25.04.2024	25.04.2024	25.04.2024	25.04.2024
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00	16:00	16:00	16:00
अनुमानित लागत	55,00,004.01	2,10,98,723.27	67,86,679.81	50,90,904.10	14,06,441.26
घरोह राशि	1,10,000.00	2,55,500.00	1,35,700.00	1,01,800.00	28,100.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह	12 माह	6 माह	6 माह	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	11.04.2024	11.04.2024	11.04.2024	11.04.2024	11.04.2024

959/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कांग्रेसियों ने पीएम से पूछे उत्तराखंड को लेकर सवाल

नई टिहरी : कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता शांति भट्ट और जिला मीडिया कार्डिनेटर जयवीर रावत ने सरकार से अंकिता हत्याकांड में शामिल वीआईपी नेता का नाम सार्वजनिक करने की मांग की है। मंगलवार को जिला कार्यालय में आयोजित पत्रतार वार्ता में दोनों नेताओं ने कहा कि प्रदेश में हुए हेमा नेगी हत्याकांड, पिंकी हत्याकांड, जगदीश चंद्र हत्याकांड, विजय वात्सल्य हत्याकांड, केदार भंडारी हत्याकांड, विपिन रावत हत्याकांड पर सरकार की जवाबदेही है। जनता को उनके सवालों के जवाब सरकार को देने चाहिए। प्रेस वार्ता में कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री विजय गुनसोला, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशा रावत, शहर अध्यक्ष कांग्रेस कुलदीप सिंह पंवार, सुमेरचंद, जाहिद रहमान, रिहाना बेगम आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

स्वीप गतिविधियों में तेजी लाने को सीडीओ ने ली बैठक

नई टिहरी : लोकसभा चुनाव में मतदान जागरूकता को लेकर स्वीप की गतिविधियों में तेजी लाने को स्वीप के नोडल अफसर सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। सीडीओ डॉ. त्रिपाठी ने वीसी कक्ष में आयोजित बैठक में कहा कि चुनाव संपन्न होने तक प्रत्येक गांव परिवार में मतदान जागरूकता की शपथ बार-बार करवाई जाए।

ताकि मतदान को लेकर लोगों में जागरूकता बनी रहे। इसके लिए अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर स्वीप गतिविधियों को बढ़ाने को कहा। जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक को प्रति परिवार बारम्बार, मतदान तक लगातार अभियान चलाकर मतदाताओं को जागरूक करने को कहा गया।

अभियान के तहत माध्यमिक विद्यालयों के 10वीं व 12 वीं के छात्र-छात्राओं के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित कर मतदान के लिए जागरूक किया जाए। छात्र-छात्राओं द्वारा घर-घर जाकर प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्यानुसार मतदाताओं से मतदान की शपथ करवाने का काम किया जाए। जिला पूर्ति विभाग को राशन विक्रेताओं के माध्यम से सस्ता गल्ला दुकानों में राशन के लिए आने वाले लोगों से तथा बाल विकास विभाग को होम विजिट, टीकाकरण एवं टेक होम राशन का वितरण करते समय मतदाताओं से मतदान की शपथ कराने को निर्देशित किया। जिला पंचायत राज विभाग को चुनाव का पर्व थीम पर महिला चौपाल आयोजित करने एवं मतदान शपथ करवाने को कहा।

बैठक में डीपीआरओ एमएम खान, जिला सेवायोजन अधिकारी विनायक श्रीवास्तव, एआरटीओ सतेन्द्र राज, डीईओ बेसिक वीके ढौंडियाल, डीपीओ शौहेब हुसैन, डीओ पीआरडी पंकज तिवारी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कूड़े के ढेर में आग लगने से लोगों को आ रही दिक्कतें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नगर पालिका प्रशासन द्वारा तिमली बैंड पर निस्तारित किए जा रहे कूड़े में आए दिन आग लगने से शहरवासी परेशान हैं। मंगलवार को भी यहां पर कूड़े में आग लगने से शहरवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।नगर पालिका पौड़ी द्वारा लोअर चोपड़ा में तिमली बैंड पर कूड़ा निस्तारित किया जाता है। मंगलवार को यहां पर दोपहर के बाद शरारती तत्वों ने कूड़े में आग लगा दी। आग लगने से चारों तरफ धुआं फैल गया। जिससे यहां पर लोगों को परेशानी होने लगी। नगर पालिका को सूचना देने पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही सूचना पर फायर बिग्रेड भी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने

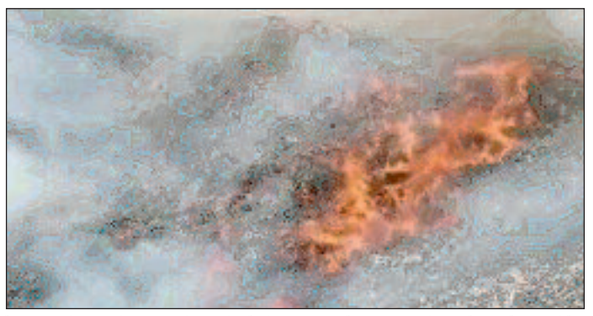

में जुट गई। स्थानीय निवासी रघुवीर नेगी, अनूप कुमार, जसवंत आदि ने कहा कि यहां पर कूड़े में आए दिन आग लग जाने से समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कहा कि प्रशासन इस समस्या का हल नहीं निकाल पा रहा है। कूड़े में आए दिन आग लगने से स्थानीय लोगों के साथ ही यहां से आवाजाही करने वाले राहगीरों, स्कूली बच्चों को परेशानियां होती है। इधर, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी गौरव भसीन ने बताया कि आग लगने की सूचना पर फायर बिग्रेड को बुलाया गया है। आग को बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कशिश राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राइफल मैन रघुनाथ सिंह रावत जीआईसी केवर्स की 12वीं की छात्रा कशिश का राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चयन हुआ है। वह 6 से 9 अप्रैल तक बिहार के पटना में प्रस्तावित राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी।

कशिश जिला स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं की गढ़देवा में चैंपियन रह चुकी है। प्रधानाचार्य किशोर रौतेला ने बताया कि पहाड़ के दूरस्थ गांव की प्रतिभावान बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रही हैं। वह स्कूल परिवार, गांव, क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है।

छात्रा कशिश राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रवाना हो गई है। स्कूल के प्रधानाचार्य किशोर रौतेला ने बताया कि कक्षा 12वीं की छात्रा कशिश रावत का चयन राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हुआ है।

वह पटना में प्रस्तावित प्रतियोगिता में गोला फेंक मुकाबले में दमखम दिखाएंगी। कहा कि कशिश केवर्स गांव की रहने वाली हैं। उसके माता–पिता खेतीबाड़ी कर बेटी की प्रतिभा को निखारने में अहम योगदान दे रहे हैं। साथ ही व्यायाम अध्यापिका रचना सिरसवाल उन्हें लगातार प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। बताया कि विद्यालय में 10वीं की छात्रा खुशबू रमोला टेबल टेनिस की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर लौट चुकी हैं। जिसका स्कूल में भव्य स्वागत किया है।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया छात्रों का स्वागत

श्रीनगर गढ़वाल : सेंट थेरेसा स्कूल श्रीनगर में विद्यारम्भ संस्कार का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर नए प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।

इस दौरान 80 बच्चों का विद्यारम्भ संस्कार किया गया। विद्यालय के प्रबंधक फादर जोश वर्गीशे ने कहा कि विद्यालय बच्चों को एक अच्छे इंसान बनने की प्राथमिकता में रखता है।

पीटीए अध्यक्ष शैलेंद्र ने कहा कि विद्यालय हमेशा बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य सिस्टर शोभिता, रीना चमोली, रोशनी रावत, लक्ष्मी बिष्ट, रजनी बिष्ट, चंद काला, मानसी, पूजा, मीनाक्षी आदि मौजूद थे।

(एजेंसी)

इस वर्ष से शुरू होगी पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड, श्रीनगर में वर्ष 2024-25 से स्नातकोत्तर स्तर पर भौतिकी, रसायन एवं गणित विषय पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। एनआईटी प्रशासन ने पीजी पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिखा है। कुछ महिनों पहले एनआईटी उत्तराखंड की बोर्ड ऑफ गर्वन (बीओजी) की बैठक में नूतन सत्र 2024-25 में भौतिकी, रसायन और गणित में पीजी पाठ्यक्रम को शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिसमें प्रत्येक विषय में 20-20 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसके लिए एनआईटी अपनी प्रवेश परीक्षा कराने की योजना भी बना रहा है। योजना को धरातल पर लाने से पहले संस्थान को शिक्षा मंत्रालय की स्वीकृति का इंतजार है। एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि प्रथम चरण में तीन विषयों में पीजी पाठ्यक्रमों को भी शुरू कराया जाना है, जिसकी संस्थान के स्तर से पूरी तैयारियां कर दी गई हैं। इस संदर्भ में शिक्षा मंत्रालय की ओर से अंतिम स्वीकृति मिलते ही प्रवेश कराने को लेकर अग्रिम प्रक्रिया शुरू की जाएगी। कहा कि पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया भी हाल ही में यूजीसी की ओर से जारी गाइडलाइन के तहत की जायेगी, जबकि बीटेक, एमटेक के विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग की तिथियां भी जल्द निर्धारित कर प्रवेश प्रक्रिया शुरू करवाई जावेगी।

विकास को प्रदेश महामंत्री की मिली जिम्मेदारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : बौसाल ग्राम प्रधान विकास रावत को यूथ कांग्रेस का प्रदेश महामंत्री बनाने पर क्षेत्रीय कांग्रेसियों में खुशी का माहौल है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कहा कि विकास इस जिम्मेदारी को कुशलता से निभाएंगे। कांग्रेस के एआईसीसी सदस्य राजपाल बिष्ट, चौबट्टाखाल विस अध्यक्ष रोहन नेगी, सुरजन रौतेला, सर्वेंद्र सिंह, चंद्रमोहन सिंह रावत, रणधीर सिंह नेगी, राहुल नेगी आदि ने शीर्ष संगठन का आभार जताया है। वहीं क्षेत्र के लोगों ने भी उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी है।

कार्यशाला में संविधान के विभिन्न पहलुओं पर की चर्चा

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. आम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के तत्वावधान में भारतीय संविधान एवं राजनीति विषय पर आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर व संविधान विशेषज्ञ डॉ. दिनेश गहलोत ने संविधान के विभिन्न पहलुओं पर सूक्ष्म चर्चा की। व्याख्यान के प्रथम दिवस डॉ. गहलोत ने संविधान सभा के गठन और विभिन्न सत्रों व द्वितीय दिवस संविधान सभा के सदस्यों द्वारा लाए गए संशोधनों, महिला सदस्यों की भूमिका व संविधान सभा के सातवें सत्र पर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. गहलोत ने संविधान की विभिन्न अनुसूचियों एवं संविधान में जोड़ी गई नई अनुसूचियों व उनसे संबंधित विवादों व न्यायालयों द्वारा की गई व्याख्या से छात्रों को अवगत कराया।

इस दौरान उन्होंने संविधान संशोधन की प्रक्रिया व विभिन्न संशोधनों एवं इससे संबंधित बेरूबारी वाद, गोलकनाथ वाद व केशवानंद भारती वाद में लिए गए निर्णयों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला में प्रो. एससी गुप्ता, प्रो. यूसी गैरोला, डॉ. राखी पंचोला सहित देश के विभिन्न डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र के छात्रों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं अंबेडकर सेंटर के समन्वयक प्रो. एमएम सेमवाल सहित डॉ.आशीष बहुगुणा, डॉ. प्रकाश सिंह, विदुषी डोभाल आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

एक नजर

आज सम्पन्न होगी गोकथा

श्रीनगर गढ़वाल : गोसेवा समर्थन समिति की ओर से आयोजित गोकथा का बुधवार (आज) समापन होगा। मंगलवार को कथा में व्यास साकेतानंद भट्ट ने कहा कि जिस घर में गो, गंगा और गौरी का सम्मान होता है, उस घर में सुख, समृद्धि और लक्ष्मी का वास होता है। समिति मीडिया प्रभारी राजेंद्र प्रसाद बर्थवाल ने बताया कि बुधवार को हवन, प्रसाद वितरण व भंडारे का आयोजन के साथ कथा का समापन होगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में प्रसाद ग्रहण करने को कहा।(एजेंसी)

22 बोतल शराब के साथ एक गिरफ्तार

श्रीनगर गढ़वाल : लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एसएसटी टीम ने एक युवक को 22 अवैध शराब की बोतलों के साथ गिरफ्तार किया। कोतवाली प्रभारी कीर्तिनगर देवराज शर्मा ने बताया कि मलेथा चेकिंग बैरियर पर चेकिंग के दौरान युवक से 22 अवैध शराब की बोतलें बरामद की गई। उन्होंने बताया कि युवक के खिलाफ कोतवाली में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। (एजेंसी)

श्रीनगर में अब डायलिसिस कराने में नहीं होगी परेशानी

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के टीचिंग अस्पताल बेस में अब डायलिसिस कराने वाले मरीजों को छह घंटे के बजाय 12 घंटे की डायलिसिस सुविधा मिलना शुरू हो गई है। पहले डायलिसिस की छह घंटे की एक ही शिफ्ट हुआ करती थी, अब अस्पताल प्रशासन ने दूर-दराज क्षेत्र के मरीजों की सुविधा को देखते हुए एवं स्थाई नर्सिंग स्टॉफ मिलने पर डायलिसिस की सुविधा दो शिफ्टों में शुरू कर दी है।

बेस चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजेय विक्रम सिंह ने बताया कि नियमित नर्सिंग स्टॉफ नियुक्ति के बाद और मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए डायलिसिस कराने वाले मरीजों की दो शिफ्ट शुरू करा दी गई है। कहा कि पहले डायलिसिस की सुविधा बेस अस्पताल में आठ बजे सुबह से दो बजे तक होती थी, किंतु अब दो बजे से आठ बजे शाम तक भी डायलिसिस की दूसरी शिफ्ट शुरू कर दी गई है, जिसमें पौड़ी, रूद्रप्रयाग, टिहरी, चमोली क्षेत्र के विभिन्न गांवों व शहरों से आने वाले मरीजों को सुविधा मिल रही है। डायलिसिस यूनिट मेडिसिन विभाग के एचओडी एवं अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. केएस बुटोला के निर्देशन में पिछले माह से अभी तक 69 मरीज विभिन्न क्षेत्रों से डायलिसिस के लिए पहुंचे हैं। (एजेंसी)

राजस्थान के छात्रों ने एसआरटी परिसर का शैक्षिणिक भ्रमण किया

नई टिहरी : हेमवती नंदन बहुगुणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वामी राम तीर्थ परिसर बादशाहीथौल में सरदार पटेल पुलिस और सुरक्षा व आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय जोधपुर राजस्थान से छात्रों का समूह पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंचा। छात्रों ने जनपद के पर्यटक स्थलों के भ्रमण के साथ ही एसआरटी कैंपस के विभागों से अहम जानकारियां जुटाई। राजस्थान के जोधपुर विश्वविद्यालय के छात्र पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर एसआरटी परिसार में पहुंचे। मौके पर राजस्थान से पहुंचे छात्रों को विभाग के प्राध्यापकगणों, छात्र–संघ पदाधिकारियों एवं विषय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत किया। इन छात्रों को विभाग में संचालित कोर्स, पाठ्यक्रम सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी गई। इस दौरान छात्रों के दल ने स्थानीय पर्यटक स्थलों का भ्रमण भी किया। छात्रों को पुलिस प्रशासन की व्यवस्था, कर्तव्य और क्रियाकलाप की विस्तृत जानकारी दी गई। (एजेंसी)

पोलिंग कार्मिकों का दूसरा रैंडमाइजेशन हुआ

चमोली : लोकसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु सामान्य प्रेक्षक पीयूष सामरिया की वर्चुअल मौजूदगी में पोलिंग कार्मिकों का दूसरा रेंडमाइजेशन किया गया।

सॉफ्टवेयर रेंडमाइजेशन प्रक्रिया में शामिल 3289 कार्मिकों में से 584 मतदेय स्थलों के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त कार्मिक मिलाकर कुल 2564 कार्मिकों का चयन किया गया। जिसमें पीठासीन अधिकारी, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान कार्मिक शामिल है। जनपद चमोली की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के 584 बूथों के लिए 10 प्रतिशत रिजर्व सहित कुल 641 पोलिंग पार्टियां बनाई गई है। लोकसभा चुनाव में जनपद चमोली में तीन-तीन महिला व पीडब्ल्यूडी बूथ भी बनाए जाएंगे।

विनोद प्रसाद सेमल्टी के शिक्षा सचिव बनने पर जताई खुशी

रुद्रप्रयाग : शिक्षा अधिकारी विनोद प्रसाद सेमल्टी विद्यालयी शिक्षा परिषद के नए सचिव बन गए हैं। विनोद सेमल्टी ने विधिवत कार्यभार संभाल लिया है। रविवार को वर्तमान विद्यालयी शिक्षा सचिव नीता तिवारी के सेवानिवृत्त होने पर यह पद खाली हुआ है। अब तक सेमल्टी परिषद में अपर सचिव पद पर कार्यरत थे।

आज से वे उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर में सचिव के रूप में कामकाज देखेंगे। विद्यालय शिक्षा परिषद अपर सचिव के रूप में विनोद प्रसाद सेमल्टी का कार्य बहुत सराहनीय रहा है। उनके पिछले प्रदर्शन को देखते हुए शिक्षकों ने आशा व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में विद्यालयी शिक्षा परिषद बेहतरीन कार्य करेगी। बता दें कि सेमल्टी पूर्व में रुद्रप्रयाग सहित कई जिलों में मुख्य शिक्षा अधिकारी के पद सहित कई अहम जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं।

परिषद में उनके शिक्षा सचिव बनने पर बधाई देने वालों में उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ गढ़वाल मंडल अध्यक्ष शिव सिंह रावत, जिलाध्यक्ष बलवीर सिंह रौथाण, जिलामंत्री बीरेंद्र सिंह बर्त्वाल, कोषाध्यक्ष दिंगबर सिंह पंवार, राशिसं रुद्रप्रयाग के पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद सिंह जगवाण, शिक्षक बीरेंद्र सिंह राणा, आशीष शुक्ला आदि ने सेमल्टी को एक कर्तव्यनिष्ठ एवं ईमानदार अधिकारी बताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। (एजेंसी)

किसानों ने फसलों के नुकसान पर मांगा मुआवजा

विकासनगर। बीते दिनों हुई ओलावृष्टि, आंधी, तूफान से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। इन फसलों का बीमा नहीं होने से किसानों को क्षतिपूर्ति नहीं मिलने की चिंता सता रही है। मंगलवार को भारतीय किसान संघ ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर सभी प्रभावित किसानों को उचित क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग उठाई।

ज्ञापन सौंपने तहसील मुख्यालय पहुंचे भारतीय किसान संघ के मंत्री राजेंद्र सिंह धीमान ने कहा कि चार दिन पूर्व तक खेतों में गेहूं, सरसों की फसल लहलहा रही थी। इस बार दोनों ही फसलों की बंपर पैदावार होने की उम्मीद थी। लेकिन बारिश, ओलावृष्टि और आंधी से फसल बर्बाद हो गई है। लहलहा रही फसल अब खेतों में ढह गई है। किसान नेता नरेश नौटियाल ने कहा कि सरकार ने समय रहते फसलों का बीमा नहीं कराया, इससे अब किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। कहा कि इस बार चुनावी व्यस्तता में सरकार किसानों को भूल गई है। इसके चलते फसल बीमा योजना के तहत किसानों का पंजीकरण नहीं किया गया। सरकार की गलती का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। कहा कि पछुवादून, जौनसार बावर में करीब 60 प्रतिशत फसल बर्बाद हो चुकी है। इसमें परंपरागत और नगदी दोनों ही तरह की फसलें शामिल हैं। उन्होंने सभी प्रभावित किसानों को क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने वालों में हुकम सिंह, बलवीर सिंह, देवी सिंह, ज्ञान सिंह, राम प्रसाद चौहान आदि शामिल रहे।

वेबकास्टिंग कार्मिकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग : लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में वेबकास्टिंग की प्रक्रिया को समयबद्ध रीति से संपन्न कराने के लिए जनपद की दोनों विधान सभाओं के 121 वेबकास्टिंग कार्मिकों को विधान सभावार प्रशिक्षण दिया जाएगा। खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि/नोडल अधिकारी वेबकास्टिंग प्रवीण भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि 5 अप्रैल को 07-केदारनाथ विधानसभा के 49 कार्मिकों को तथा 6 अप्रैल को 08-रुद्रप्रयाग विधानसभा के 72 वेबकास्टिंग कार्मिकों को प्रातः 10 बजे से अनुसूया प्रसाद बहुगणा राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि के सेमिनार हाल में एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने सभी वेबकास्टिंग कार्मिकों से उनसे निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने की अपील की है। (एजेंसी)

2024 का लोकसभा चुनाव 2047 के भारत की रखेगा नींवः जोशी

देहरादून। भाजपा सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रकोष्ठ के सम्मेलन में पेंशनर्स ने लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड से पांचों लोकसभा सीटें जिताने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि ये कोई सामान्य चुनाव नहीं है। 2024 का लोकसभा चुनाव 2047 के भारत की मजबूत नींव रखने वाला चुनाव है। भारत को विश्व गुरु बनाने वाला चुनाव है।रिस्पना पुल स्थित वेडिंग प्वाइंट में आयोजित सम्मेलन में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्व शक्ति बनाया है। आज पूरे विश्व में भारत को एक सुपर पॉवर के रूप में देखा जाता है। ये भारत का वैश्विक परिदृश्य में प्रभाव ही था, जो रूस यूक्रेन की लड़ाई के दौरान हजारों की संख्या में न सिर्फ भारत, बल्कि पड़ोसी देशों के मेडिकल छात्रों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया। आज भारत दूसरे देशों को हथियारों की सप्लाई तक कर रहा है। राज्य सरकार ने यूसीसी, सख्त नकल विरोधी कानून, जबरन धर्मांतरण विरोधी कानून बना कर पूरे भारत में उत्तराखंड को नई पहचान दिलाई है।टिहरी प्रत्याशी माला राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा कि भाजपा के केंद्र में दस साल के शासन ने देश को मजबूत करने का काम किया है। इन्हीं कामों की बदौलत भाजपा 400 पार का लक्ष्य तय करने जा रही है। दर्जाधारी विनय रोहेला ने कहा कि चुनाव में 60 प्रतिशत से अधिक वोट लाने के प्रयास करने होंगे। केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को साथ जोड़ा जाए। प्रकोष्ठ के संयोजक रमेश रमोला ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि टिहरी सांसद ने अपने क्षेत्र में लगातार काम किया। जो पैसा बचा होगा, वो केंद्र के खाते में वापस गया होगा, लेकिन पैसा बर्बाद नहीं किया। कहा कि अगले कार्यकाल में टिहरी में मेडिकल कालेज जरूर बनवाया जाए। न में हरीश चंद्र नौटियाल, गोपाल सिंह नेगी, सुरेश डंगवाल, पीसी लोशाली, विजय रावत, एनके गुसाईं, बीएस रावत, दिनेश गोसाईं, वीरेंद्र कृषाली, शिव सिंह रावत, नंदलाल भारती, यशपाल सिंह, दान सिंह विद्यादत्त पेटवाल, हरिकृष्ण पेटवाल, शूरवीर सिंह नेगी, एसपी अग्रवाल, नरेश कुमार, चंद्रपाल सिंह, गोपाल राणा, प्रद्युमन नौटियाल, प्रताप पंवार, ओमपाल सिंह मौजूद रहे।

एडीआर चलाएगी मतदाता जागरूकता अभियान

देहरादून। चुनाव सुधार की दिशा में लगातार कार्य कर रही संस्था एसोशिएसन फॉर डेमोक्रेटिक रेफॉर्म्स (एडीआर) आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भी पांच अप्रैल से मतदाता जागरुकता अभियान शुरू करने जा रही है। एडीआर उत्तराखंड ईकाई के समन्वयक मनोज ध्यानी ने बताया कि एडीआर मतदाताओं को उनके मताधिकार, मतदान प्राथमिकता तय करने के साथ ही लोकतंत्र में मत के सही मूल्य की समझ विकसित करने के लिए प्रशिक्षण देगी। इस दौरान आपराधिक पृष्ठभूमि और धनबल के प्रभाव वाले प्रत्याशियों को चिन्हित करने के साथ ही यदि सभी प्रत्याशी नाकाबिल लगते हों तो नोटा प्रयोग के बारे में भी मतदाताओं को जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि एडीआर चुनावी चंदे पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जानकारी भी मतदाताओं को देगा। एडीआर मतदाताओं के बीच मॉय नेता एप को प्रचारित करते हुए, चुनाव में खडे उम्मीदवारों के आपराधिक इतिहास, वित्तीय सम्पत्ति और फिर चुनाव में खड़े सांसदों या प्रत्याशियों की सम्पत्ति में हुई बढोतरी या कमी की जानकारी भी सार्वजनिक करेगा। इसके अतिरिक्त एडीआर मतदान के प्रति उदासीन रहने वाले मतदाताओं को भी, मतदान के लिए प्रेरित करेगा। इस बार के आम चुनावों में मतदाता जागरुकता अभियान गोष्ठियों और जनसंवाद का भी आयोजन किया जा रहा है।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग में देहरादून ई और जी जीते

देहरादून। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग अंडर–19 में देहरादून ई और देहरादून जी ने अपने–अपने मुकाबले जीते। लीग में जिले की विभिन्न एकेडमी की टीमें हिस्सा ले रहीं हैं।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन देहरादून के तत्वाधान में मंगलवार को एमएएमएस क्रिकेट ग्राउंड रायवाला में मंगलवार को देहरादून ई और देहरादून एफ के बीच पहला मैच खेला गया। एफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 32 ओवरों में 106 रन पर ऑल आउट हो गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी देहरादून ई ने 13.3 ओवर में बिना किसी नुकसान के 109 रन बनाकर 10 विकेट से मुकाबला जीता। जिसमें कार्तिकेय नौडियाल ने नाबाद 50 रन और आयुष प्रियदर्शी ने नाबाद 48 रनों का योगदान दिया।

इंडिया गठबंधन के नेता कांग्रेस के लिए मिलकर करेंगे प्रचार

देहरादून। इंडिया गठबंधन ने कांग्रेस के लिए मिलकर प्रचार करने का निर्णय लिया है। देहरादून में मंगलवार को गठबंधन नेताओं की चौपाल हुई। उन्होंने अंकित हत्याकांड से लेकर महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। साथ ही कांग्रेस के साथ चुनाव प्रचार की रणनीति भी तय की। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार की ओर से गांधी रोड स्थित कार्यालय में गठनबंधन नेताओं के साथ चौपाल का आयोजन किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ.एसएन सचान ने कहा कि वह कल ही हरिद्वार से लौटे हैं, वहां जनता में कांग्रेस उम्मीदवार को लेकर उत्साह है। सीपीआई के समर भंडारी ने कहा कि हमने अपने पूरे कैडर को सक्रिय कर दिया है और वह लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई में पूरा सहयोग कर रहे हैं। कामरेड राजेंद्र नेगी ने सुझाव दिया कि जिला स्तर पर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेता कार्यकर्ता आपस में मिलकर चुनाव प्रचार करें। सिविल सोसाइटी की ओर पर्यावरणविद रवि चोपड़ा और महिला मंच की निर्मला बिष्ट ने बताया कि वह नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विभिन्न विधानसभाओं में महंगाई ,बेरोज़गारी व अंकिता भंडारी के लिए न्याय के मुद्दे को लेकर जा रहे हैं। गंगाधर नौटियाल और किसान सभा के नेता अशोक शर्मा ने कहा कि वह किसानों के साथ हुए अन्याय की बात रख रहे हैं। भाकपा माले के गढ़वाल सचिव इंद्रेश मैखुरी ने प्रचार को धारदार बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री की रुद्रपुर रैली में किए वादों पर सवाल उठाए। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट ने सुझावों पर अमल करने का भरोसा दिया। चौपाल में कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार, जगदीश चंद कुकरेती, एसएस रजवार, शंकर गोपाल, राजेंद्र नेगी ने भी विचार रखे।

थत्यूड़ में खुला कांग्रेस का कार्यालय

नई टिहरी : कांग्रेस पार्टी के चुनावी कार्यालय का ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ के ढाणा रोड पर शुभारंभ हुआ। कार्यालय का शुभारंभ कांग्रेस पार्टी के जौनपुर ब्लाक अध्यक्ष सुरेंद्र रावत ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस के वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के टिहरी संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी जोत सिंह गुनसोला जमीन से जुड़े हुए नेता हैं और टिहरी संसदीय क्षेत्र का विकास करने में सक्षम है। जबकि भाजपा प्रत्याशी माला राज्य लक्ष्मी शाह राजशाही परिवार से हैं। उन्हें जनता के दुःख-सुख व क्षेत्र की समस्याओं से कोई नाता नहीं है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com